www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 19 | जौनपुर, बुधवार, 02 सितम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

अभिषेक बनर्जी के दफ्तर को फायर विभाग का नोटिस

कोलकाता, (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी के कैमेक स्ट्रीट स्थित कार्यालय को दमकल विभाग ने नोटिस जारी किया है। नोटिस में कार्यालय प्रबंधन को इसे प्राप्त होने के 48 घंटे के भीतर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने को कहा गया है। दमकल विभाग के अधिकारियों ने सोमवार को अभिषेक बनर्जी के कार्यालय के साथ–साथ पूरे भवन का निरीक्षण किया था। विभाग के अनुसार, निरीक्षण के दौरान अग्निशमन व्यवस्था से जुड़ी कई खामियां सामने आईं। नोटिस में यह भी कहा गया है कि भवन के लिए जारी दमकल अनुमति की अवधि 10 अगस्त को समाप्त हो चुकी है। इसी बारे में जानकारी देने के लिए उन्हें गुरुवार को बुलाया गया है। सूत्रों के अनुसार, नोटिस में छह प्रमुख बिंदुओं का उल्लेख किया गया है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को वैध अग्निशमन प्रमाणपत्र नहीं मिला। पार्किंग क्षेत्र के एक हिस्से में गेट के सामने ऐसा निर्माण पाया गया, जो भवन के मूल नक्शे में शामिल नहीं है। दमकल विभाग के अनुसार, यह निर्माण आपात स्थिति में दमकल की गाड़ियों के आने–जाने में बाधा बन सकता है। भवन की आठवीं मंजिल स्थित कार्यालय की कैंटीन में एक से अधिक गैस सिलेंडर रखे होने पर भी सवाल उठाए गए हैं। इसके अलावा, अग्निशमन पंप के रखरखाव को लेकर भी विभाग ने आपत्ति जताई है। विभाग के मुताबिक, आठवीं मंजिल के अंदरूनी गलियारे में प्रवेश और निकास के लिए केवल एक गेट है। आग लगने की स्थिति में इससे बचाव कार्य प्रभावित हो सकता है। सातवीं और आठवीं मंजिल पर आग लगने की चेतावनी देने वाली अलार्म व्यवस्था को भी पर्याप्त नहीं बताया गया है। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब पिछले गुरुवार को 9, कमैक स्ट्रीट स्थित तृणमूल के कार्यालय में साइनबोर्ड तोड़े जाने को लेकर विवाद हुआ था। घटना के दौरान हाथापाई और धक्का–मुक्की हुई थी। इस मामले में शेक्सपियर सरणी थाने की पुलिस ने अभिषेक बनर्जी समेत पार्टी के कई नेताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया है।

श्रमिकों के मानदेय में हर 5 साल में संशोधन, यूपीसीओएस लॉन्च पर बोले योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में आउटसोर्स कर्मियों के हितों को लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम (यूपीसीओएस) का शुभारंभ किया। इसके तहत प्रदेश के करीब 3.5 से 5 लाख आउटसोर्स कर्मियों को सम्मानजनक मानदेय, सामाजिक सुरक्षा और बेहतर सेवा व्यवस्था का लाभ मिलेगा। सरकार ने हर पांच साल में मानदेय के पुनरीक्षण की व्यवस्था लागू करने के साथ ही आउटसोर्स कर्मियों की नियुक्ति प्रक्रिया में मनमानी खत्म करने की दिशा में भी कदम बढ़ाया है। लखनऊ में यूपीसीओएस के शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार और कर्मचारी का रिश्ता केवल वेतन का नहीं, बल्कि विश्वास का होता है। इस विश्वास को बनाए रखने के लिए जरूरी है कि कर्मचारी को यह महसूस हो कि उसके बेहतर कार्य का रिकॉर्ड रखा जा रहा है और उसकी समस्याओं को सुनने के लिए प्रभावी तंत्र मौजूद है। कर्मचारी को यह भरोसा होना चाहिए कि वह अकेला नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आउटसोर्स कर्मियों को समय से वेतन मिले, उनकी मेहनत के अनुरूप मानदेय प्राप्त हो और श्रम का सम्मान सुनिश्चित किया जाए। सरकार की प्राथमिकता स्पष्ट है कि श्श्रम का शोषण न हो, अन्याय न हो।श्श उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने विकास और प्रगति की जो यात्रा तय की है, उसमें बड़ी संख्या में कर्मचारियों और श्रमिकों का योगदान रहा है। चाहे नगर निकायों में काम करने वाले सफाईकर्मी हों या शासन व्यवस्था के अलग–अलग महत्वपूर्ण कार्यों में लगे कर्मचारी, स्थायी हों या आउटसोर्स, सभी के प्रयासों से प्रदेश की विकास यात्रा आगे बढ़ी है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा के अनुरूप उसे सम्मान मिलना शासन की जिम्मेदारी है।

किसानों–शिक्षकों को बड़ी राहत, सीएम विजय ने वापस लिए हजारों आंदोलन से जुड़े मामले

तमिलनाडु, (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने विधानसभा में किसानों और शिक्षकों को बड़ी राहत देने वाली घोषणा की है। उन्होंने कहा कि मई 2021 से अप्रैल 2026 के बीच अपनी मांगों, अधिकारों और आजीविका से जुड़े मुद्दों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले किसानों और शिक्षकों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लिया जाएगा। सरकार के इस फैसले को राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि यह निर्णय लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवीय दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर लिया गया है। उनके अनुसार, किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों को अपनी बात शांतिपूर्ण तरीके से रखने का अधिकार होता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार किसानों और शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहेगी। इस फैसले का सबसे बड़ा असर उन किसानों पर पड़ेगा जिन पर विभिन्न आंदोलनों के दौरान मामले दर्ज किए गए थे। कई किसान अपनी जमीन, पानी और रोजगार से जुड़े मुद्दों को लेकर लंबे समय से प्रदर्शन कर रहे थे। इन आंदोलनों के कारण दर्ज मामलों की वजह से कई लोगों को कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। तिरुवन्नमलाई जिले में प्रस्तावित सिपकाट औद्योगिक पार्क का विरोध करने वाले किसानों पर भी कई मामले दर्ज किए गए थे। आरोप था कि परियोजना से उनकी कृषि भूमि और आजीविका प्रभावित हो सकती है। कुछ किसानों के खिलाफ सख्त कानूनी धाराएं भी लगाई गई थीं।

'जीवन की रक्षा से बढ़कर कोई मूल्यवान उपहार नहीं', पीएम मोदी ने शेयर किया सुभाषित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बुधवार को सुभाषित शेयर किया गया। उन्होंने एक्स पर संस्कृत श्लोक, अभयस्यैव यो दाता तस्यैव सुमहत्फलम् । न हि प्राणसमं दानं त्रिषु लोकेषु विद्यते घ साझा किया है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा साझा किए गए श्लोक का हिंदी अर्थ है, "जो व्यक्ति लोगों के भय को दूर करता है, वह विशेष पुण्य प्राप्त करता है। तीनों लोकों में जीवन की रक्षा से बढ़कर कोई मूल्यवान उपहार नहीं।" इसके पहले मंगलवार को पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया था, "यस्य कृत्यं न जानन्ति मन्त्रं वा मन्त्रितं परे। कृतमेवास्य जानन्ति स वै पण्डित उच्यतेघ" साझा किया है, जिसका हिंदी अर्थ है कि जिस व्यक्ति के कार्यों, योजनाओं, गोपनीय विचारों और रणनीतियों का ज्ञान दूसरों को तब तक नहीं होता, जब तक कि वे सफलतापूर्वक पूर्ण न हो जाएं, ऐसे संयमी, विवेकी और गंभीर व्यक्ति को ही वास्तव में बुद्धिमान कहा जाता है। बीते दिन सोमवार को प्रधानमंत्री की ओर से सुभाषित शेयर करते हुए लिखा गया था, "यद् यदेव प्रसक्तं हि वितर्कयति मानवः। अभ्यासात् तेन तेनास्य नतिर्भवति चेतसः।।" इस श्लोक का हिंदी अर्थ है कि मनुष्य जिस विषय या वस्तु के बारे में बार–बार सोचता है, उसका मन धीरे–धीरे उसी ओर आकर्षित होने लगता है। इसलिए हमें हमेशा अच्छे, शुभ और कल्याणकारी विचारों का ही चिंतन करना चाहिए। इससे पहले प्रधानमंत्री की ओर से 28 अगस्त को सोशल मीडिया पर सुभाषित शेयर किया गया था।

स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए भारतीय भाषाओं का उपयोग महत्वपूर्ण – केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा ने मंगलवार को स्वास्थ्य क्षेत्र में हिंदी और दूसरी भारतीय भाषाओं के अधिक से अधिक उपयोग का आह्वान करते हुए कहा कि लोगों से उनकी भाषा में संवाद करने से स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और उन्हें आम जनता तक पहुंचाने की व्यवस्था में सुधार किया जा सकता है। दिल्ली में स्वास्थ्य मंत्रालय की 'हिंदी सलाहकार समिति' की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि देश पश्चिमी दुनिया के औपनिवेशिक प्रभाव से निकलकर भारतीय भाषाओं के अधिक उपयोग की ओर बढ़ रहा है और भाषा "भारतीयता" को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई महत्वपूर्ण अवसरों पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी में अपने विचार और दृष्टिकोण प्रस्तुत किए हैं तथा भारतीयता को मजबूत करने पर बल दिया है।" बैठक में मंत्रालय और उसके अधीनस्थ कार्यालयों में राजभाषा के रूप में हिंदी के उपयोग की समीक्षा की गई, साथ ही इसके उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अब तक उठाए गए कदमों और भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की गई। उन्होंने ने मंत्रालय के तहत 'राजभाषा' के पदों की समीक्षा करने और समयबद्ध तरीके से रिक्त पदों को भरने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से ऐसे रिक्त पदों की सूची तैयार कर जल्द से जल्द सौंपने को कहा, ताकि इस मामले को वित्त मंत्रालय के समक्ष उठाया जा सके। अधिकारियों और कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए प्रशिक्षित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए केंद्रीय मंत्री ने पूरे सप्ताह की गतिविधियों के स्पष्ट कार्यक्रम के साथ एक सप्ताह का संक्षिप्त प्रशिक्षण पाठ्यक्रम या कार्यशाला आयोजित करने का सुझाव दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि मंत्रालय की पत्रिकाओं में प्रकाशित कम से कम आधे लेख हिंदी में होने चाहिए और बुलेटिनों में भी हिंदी का उपयोग बढ़ाया जाना चाहिए। भोपाल मेडिकल कॉलेज में हिंदी में मेडिकल शिक्षा प्रदान करने के उपयोग का उल्लेख करते हुए।

इस्कॉन नोएडा एक्सप्रेसवे द्वारा मनाया जाएगा भव्य श्री कृष्ण जन्मोत्सव

ब्यूरो चीफ सत्य प्रकाश उपाध्याय

नोएडा। सेक्टर–149 स्थित गणेश्वरम बैंक्वेट हॉल में इस्कॉन नोएडा एक्सप्रेसवे, सेक्टर–151 द्वारा आगामी श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के उपलक्ष्य में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस्कॉन नोएडा एक्सप्रेसवे अध्यक्ष श्याम गोपाल दास ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 4 सितंबर 2026, शुक्रवार को प्रातः 9:00 बजे से रात्रि 1:00 बजे तक श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का भव्य आयोजन गांव कौंडली, सेक्टर–149 स्थित गणेश्वरम बैंक्वेट हॉल में किया जाएगा। महोत्सव के दौरान भगवान श्री श्री राधा–कृष्ण के दिव्य दर्शन, विशेष अभिषेक, भजन–कीर्तन, हरिनाम संकीर्तन, आध्यात्मिक प्रवचन तथा महाप्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा। इस भव्य एवं आध्यात्मिक महोत्सव में विशिष्ट अतिथि के रूप में जनप्रतिनिधि, सांसद, विधायक एवं प्रशासनिक अधिकारीगण भी सम्मिलित होंगे। उनके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के भी इस पावन अवसर पर उपस्थित होने की संभावना है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से इस पावन अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का आह्वान भी किया। मीडिया प्रभारी बैकुंठ निवास प्रभु ने बताया कि गणेश्वरम बैंक्वेट हॉल के प्रबंधन द्वारा यह हॉल भगवान श्री कृष्ण की सेवा के लिए पूर्णतः निःशुल्क प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि गणेश्वरम प्रबंधन पूर्व में भी भगवान की सेवा एवं धार्मिक आयोजनों के लिए इसी प्रकार सहयोग करता रहा है और इस हॉल में भगवान की सेवा से जुड़े अनेक धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि आगामी 19 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाला श्री राधाष्टमी महोत्सव भी इसी गणेश्वरम बैंक्वेट हॉल में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। गणेश्वरम बैंक्वेट हॉल प्रबंधक शुभम पंवार एवं टेंपल कंस्ट्रक्शन मैनेजर ओमपाल सिंह ने कहा कि जन्माष्टमी केवल एक धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि भगवान श्री कृष्ण के दिव्य संदेशोंकृप्रेम, करुणा, धर्म एवं मानवताकृको अपने जीवन में अपनाने का पावन अवसर भी है।

'मेक इन इंडिया, मेक फॉर इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' मैन्युफैक्चरिंग विजन का आधार होना चाहिए – रक्षा मंत्री

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि भारत के मैन्युफैक्चरिंग विजन को 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड' के सिद्धांत पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने एमएसएमई से कहा कि वे उभरते हुए ग्लोबल ट्रेड के मौकों का फायदा उठाएं और खुद को ग्लोबल स्तर पर कॉम्पिटिटिव कंपनियों में बदलें। ग्रेटर नोएडा में एमएसएमई कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने छोटे और मध्यम उद्योगों से अपने टर्नओवर का एक हिस्सा रिसर्च, डेवलपमेंट और टेक्नोलॉजी को अपग्रेड करने में निवेश करने का आग्रह किया। उन्होंने उन्हें अपनी तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए विश्वविद्यालयों, आईआईटी, रिसर्च संस्थानों, डीआरडीओ प्रयोगशालाओं, स्टार्टअप्स और बड़े उद्योगों के साथ साझेदारी करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि 'विकसित भारत 2047' का विजन एक ऐसे भारत का प्रतिनिधित्व करता है जो मैन्युफैक्चरिंग में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी हो, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में अग्रणी हो, और रणनीतिक व आर्थिक क्षमताओं में आत्मनिर्भर होने के साथ–साथ देश के युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार के अवसर पैदा करे। बदलती वैश्विक सप्लाई चेन और भरोसेमंद मैन्युफैक्चरिंग पार्टनर्स की बढ़ती मांग पर प्रकाश डालते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि ये घटनाक्रम भारतीय एमएसएमई के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने का एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा अमेरिका, यूके, न्यूजीलैंड, ओमान, स्विट्जरलैंड और यूरोपीय संघ सहित प्रमुख देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के माध्यम से व्यापारिक साझेदारी को गहरा करने के प्रयासों का उल्लेख किया।

सपा सांसद अवधेश प्रसाद भाजपा विधायक व दबंगो द्वारा प्रताड़ित दिव्यांग महिला के साथ एसपी ग्रामीण से मिले

एसपी ग्रामीण ने सीओ मिल्कीपुर को दिए जांच के निर्देश

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।बुधवार को कुमारगंज थाना क्षेत्र की एक दिव्यांग युवती अपनी समस्या लेकर सपा सांसद अवधेश प्रसाद के साथ एसएसपी कार्यालय आई।इस मौके पर सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी से कहा कि अब भाजपा सरकार में स्थानीय पुलिस द्वारा भाजपा नेताओं की सह पर महिलाओं को प्रताड़ित किया जा रहा है।इस मौके पर पीड़ित दिव्यांग महिला शकुंतला ने एसपी ग्रामीण से कहा कि मंगलवार को दोपहर क्षेत्रीय विधायक मिल्कीपुर चंद्रभानु पासवान के इशारे पर विपक्षी सुदामा कौशल ने एक दर्जन से अधिक दबंगो ने कई साल पहले से लगी मिठाई की दुकान को तोड़फोड़ दिया।दिव्यांग युवती ने आरोप लगाया कि उसकी दुकान ही सिर्फ नहीं तोड़ी गई बल्कि उस समय कुमारगंज पुलिस की मौजूदगी में उसे मारा पीटा भी गया और उल्टे कुमारगंज पुलिस ने उसे थाने पर भी लाई और चालान कर दिया।एसएसपी कार्यालय पर दिव्यांग महिला के साथ आने वालों में सपा सांसद अवधेश प्रसाद के अलावा सपा नेता राघवेंद्र प्रताप सिंह अनूप सहित अन्य सपा नेता मौजूद रहे।इस प्रकरण मे एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया कि यह प्रकरण उनके संज्ञान में है बताया कि इसे गंभीरता से लेते हुए उन्होंने सीओ मिल्कीपुर पीयूष को तुरंत घटनास्थल पर पहुंच कर जांच करने का निर्देश दिया है।बताया कि जो भी इसमें दोषी होगा उसके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।वहीं सीओ मिल्कीपुर पियूष ने बताया कि वे एसडीएम मिल्कीपुर के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर जांच कर रहे हैं और जो भी तथ्य सामने आएगा उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पहले सीईओ बने पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने अयोध्या राम मंदिर के संचालन और प्रशासनिक व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा फैसला लिया है। बुधवार को हुई ट्रस्ट की महत्वपूर्ण बैठक में पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र का पहला चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर सीईओ नियुक्त किया गया।बैठक में उनके नाम की औपचारिक घोषणा की गई।देवरिया निवासी जितेंद्र मिश्रा भारतीय वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी रह चुके हैं।बताया जा रहा है कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पश्चिमी वायु कमान का नेतृत्व किया था।अब राम मंदिर की व्यवस्थाओं और प्रशासनिक संचालन की जिम्मेदारी उनके कंधों पर होगी।सीईओ की नियुक्ति को मंदिर के बढ़ते विस्तार, श्रद्धालुओं की संख्या और व्यवस्थाओं के बेहतर प्रबंधन की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।बैठक में ट्रस्ट ने तीन नए सदस्यों को भी शामिल किया है। इनमें दिल्ली के कारोबारी महेश भागचंदका, अयोध्या के वरिष्ठ अधिवक्ता मदन मोहन पांडेय और शिकोहाबाद की निर्मला यादव शामिल हैं।निर्मला यादव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी रही हैं।ट्रस्ट में शामिल होने के साथ ही वह श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की पहली महिला सदस्य बन गई हैं। उनके शामिल होने को ट्रस्ट के इतिहास में महत्वपूर्ण बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है।राम जन्मभूमि–बाबरी विवाद में पैरवी करने वाली टीम का हिस्सा मदन मोहन पांडेय रहे।राम जन्मभूमि–बाबरी मस्जिद विवाद से जुड़े मुकदमे में रामलला की ओर से कानूनी पैरवी करने वाली टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक राम जन्मभूमि मामले से जुड़ी कानूनी दलीलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।जनवरी 2024 में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का फैसला अपने 51 वर्ष के कानूनी करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया था। अब उन्हें ट्रस्ट में शामिल किए जाने से कानूनी और प्रशासनिक अनुभव का लाभ मिलने की उम्मीद है।दिल्ली के कारोबारी महेश भागचंदका अशोक सिंघल फाउंडेशन से जुड़े हैं।उन्होंने अशोक सिंघल के जीवन और हिंदुत्व से संबंधित कई पुस्तकें भी लिखी हैं।इनमें श्अशोक सिंघल रू हिंदुत्व के पुरोधाश, श्बोलती अनुभूतियांश और श्श्री राम मंदिर काव्य यात्राश प्रमुख हैं।महेश भागचंदका का अशोक सिंघल से पारिवारिक संबंध भी बताया जाता है। 2020 में राम मंदिर के भूमि पूजन के दौरान वह मुख्य यजमानों में शामिल रहे थे। इसके बाद 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर की प्राण–प्रतिष्ठा के धार्मिक अनुष्ठान में भी उन्होंने यजमान की भूमिका निभाई थी।राम मंदिर में 7 जून को चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद ट्रस्ट की कार्यप्रणाली और व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठे थे।इस मामले में अब तक 8 आरोपी जेल में बताए जा रहे हैं।

मामले के बीच 2 जुलाई को ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफे की बात सामने आई थी। इसके बाद रिटायर्ड आईएफएस अधिकारी कृष्ण मोहन को कार्यवाहक महासचिव की जिम्मेदारी दी गई थी।अब पहली बार सीईओ की नियुक्ति और नए ट्रस्टियों को शामिल किए जाने से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के प्रशासनिक ढांचे में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। मंदिर में लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या और भविष्य की व्यवस्थाओं को देखते हुए सीईओ की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

संपादकीय

कोई जादुई छड़ी मौजूद नहीं

अमेरिका के खिलाफ चीन से सहयोग करने का दोष भारत पर भी लगाया गया है। इसके अलावा जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, और मेक्सिको जैसे देशों पर भी ऐसी ही तोहमत मढ़ी गई है। डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन को अपनी जमीन से कटी नीतियों में कोई खोट नजर नहीं आता! इसलिए उसके अधिकारी अपनी हर नाकामी का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने की कोशिश करने लगते हैं! उनकी सोच ऐसी है कि जैसे सारी दुनिया के अमेरिका के लिए है, इसलिए तमाम देशों को उसके हित में काम करना चाहिए! इसका ताजा उदाहरण ह्वाइट हाउस की रिपोर्ट है, जिसमें चीन के खिलाफ व्यापार युद्ध में अमेरिका की नाकामी का दोष अमेरिका के करीबी सहयोगियों समेत 40 से ज्यादा देशों पर मढ़ा गया है। जिनको अमेरिका के खिलाफ चीन से सहयोग करने का दोषी बताया गया है, उनमें भारत भी है। इसके अलावा जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, और मेक्सिको जैसे देशों पर भी चीन से सहयोग करने की तोहमत मढ़ी गई है। ह्वाइट हाउस के मुताबिक इन देशों ने अरबों डॉलर के टैरिफ से बचने में चीनी कंपनियों को मदद की। ये देश ट्रांसशिपिंग में मददगार बने। यानी चीनी कंपनियों ने उन देशों को अपने उत्पाद भेजे, जिन पर अमेरिका ने कम टैरिफ लगाए हैं। फिर वहां से उन वस्तुओं को अमेरिका निर्यात किया गया। मगर ये इल्जाम भूमंडलीकरण के दौर में खुद अमेरिकी पहल पर दुनिया में बनी आपूर्ति शृंखला का स्वाभाविक परिणाम है। इन शृंखलाओं के तहत अधिकांश अंतिम उत्पाद विभिन्न देशों में बने पाट–पुर्जों पर निर्भर हैं। चूंकि इस दौर में चीन ने खुद को श्दुनिया के कारखानेश्च के रूप में विकसित किया, तो लाजिमी है कि उस पर सबसे ज्यादा निर्भरता है। चीनी अर्थव्यवस्था के खास स्वरूप के कारण वहां बनी चीजें सस्ती पड़ती हैं, इसलिए भी अन्य देशों की कंपनियों के लिए वहां से आयात रोकना घाटे का सौदा बन जाता है। यही वजह है कि चीन के खिलाफ 2018 से शुरू अमेरिकी व्यापार युद्ध का ज्यादा असर नहीं हुआ है। चीन का निर्यात बढ़ता गया है। अमेरिका में भी अन्य स्रोतों से चीनी वस्तुओं का पहुंचना जारी है, जिसको लेकर ट्रंप प्रशासन के असंतोष का इजहार अब हुआ है। सबक यह है कि विश्व व्यापार की दिशा बदलने की कोई जादुई छड़ी मौजूद नहीं है, जिस बात को ट्रंप नहीं समझ पा रहे हैं।

तबाही से 90 दिन पहले चीन-नेपाल के बीच क्या हुआ था

अभिनय

इंसान की बनाई कोई चीज नहीं बची। कोई इंसानी बसाहट नहीं बची। सब सपाट हो गया...यह बात कही गई नेपाल में आई तबाही का परिणाम देखकर। पानी, मलबा, चट्टान, गाज सबको लेकर आगे बढ़ता प्रचंड प्रवाह। करीब 40 किलोमीटर लंबे रास्ते में सब तबाह करता हुआ अचानक आई इस भीषण बाढ़ ने जो नुकसान पहुंचाया उसकी ठीक–ठीक था अभी तक पता नहीं चल पाई है। नेपाल तिब्बत सीमा पर जहां यह विपत्ति आई वो मानसरोवर पर्वत यात्रा का सबसे प्रचलित रास्ता है। 26 अगस्त की सुबह नेपाल के रासवा जिले में अचानक ऐसी बाढ़ आई जिसने कुछ ही देर में दर्जनों गांवों को अपनी इज्जत में ले लिया। एक दर्जन से ज्यादा मौतों की अब तक पुष्टि हो चुकी है। लेकिन रॉटर्स के मुताबिक सैकड़ों लापता हैं। बीबीसी ने 400 का आंकड़ा दिया है लापता का। लेकिन नेपाली मीडिया के मुताबिक यह आंकड़ा और ऊपर जाएगा। मारे गए लोगों में बहुत से विदेशी नागरिक भी हैं। ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, मलेशिया समेत कई नागरिकताओं के लोग हैं। कई भारतीय भी गुमशुदा हैं। नेपाल का आपदा प्रबंधन विभाग है एनडीआरआरएमए। पूरा नाम नेपाल्स नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी। उसने यह नोटिस जारी किया है। इसमें चीन के हवाले से आई एक जानकारी का जिक्र करते हुए सावध ाान किया गया। जिस लह नदी में पानी बढ़ने से बाढ़ आई वहां बहाव हो गया है। पानी रुकने से यहां 0. 11 वर्ग किलोमीटर की एक झील बन गई है। इसका जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। लहानदे नदी तिब्बत से निकलती है। नेपाल के रसुआ जिले में पहुंचती है जहां उसे नया नाम मिलता है भोटे कोसी। नेपाल में भोटे का मतलब है तिब्बती यानी तिब्बत की कोसी। ऊपर जिस झील के बनने की बात बताई गई वह जगह रसुआ से 18 कि.मी. ऊपर है। गोटे कोसी नोवाकोट नाम की जगह में त्रिशला नदी में मिल जाती है। यही त्रिशला नदी आगे बिहार के पश्चिमी चंपारण पहुंचती है। भैंसा लोटा बैराज से होते हुए और यहां इसे कहा जाता है गंडक या नारायणी। यानी तिब्बत से लेकर नेपाल और आगे भारत तक खतरा हो सकता है। तमाम आशंकाओं के मद्देनजर भोटे कोसी नदी के बहाव में नीचे की ओर रह रहे लोग, पर्यटक और बचाव अभियान में जुटे जो कर्मचारी हैं उन्हें खास सावधानी बरतने की जरूरत बताई गई। भौगोलिकनक्शा खोजना 28 अगस्त तक वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के बीच बनी सहमति के अनुसार, नेपाल में आई बाढ़ का मुख्य कारण लांगटांग पर्वतमाला की 7,000 मीटर से ऊंची चोटी लांगटांग लिरुंग के उत्तरी ढलानों पर हुआ एक बड़ा ग्लेशियल डिटैचमेंट (हिमनद का टूटना) था। इस घटना में सिर्फ सतह की बर्फ ही नहीं, बल्कि उसके नीचे मौजूद मजबूत आधारशिला (इमकतवबा) भी टूटकर अलग हो गई थी। शुरुआती विश्लेषणों से संकेत मिलता है कि मुख्य आपदा से कुछ हफ्तों या महीनों पहले ही इस विशाल हिमनद में धीमी आंतरिक हलचल शुरू हो चुकी थी। जलवायु परिवर्तन और तापमान में बदलाव के कारण कमजोर पड़ रही इस संरचना ने अंततः एक गंभीर श्टिपिंग पॉइंटश (चरम सीमा) पार कर लिया, जिसके बाद बर्फ और चट्टानों का यह विशालकाय द्रव्यमान अचानक नीचे ढह गया और विनाशकारी बाढ़ की वजह बना। 27 मई को नेपाल की राजधानी काठमांडू में नेपाल और चीन के अधिकारियों की एक अहम बैठक हुई थी। नेपाल की तरफ से करीब 10 अधिकारी और चीन की तरफ से लगभग एक दर्जन अधिकारी इस बैठक में शामिल हुए। इनमें तिब्बत क्षेत्र से जुड़े अधिकारी भी थे। बैठक का मुद्दा था बाढ़, मौसम, ग्लेशियर और उससे जुड़े खतरों की निगरानी और आपदा के वक्त दोनों देशों के बीच सहयोग। इस बैठक में ग्लेशियर झीलों की सूची तैयार करने, खतरनाक इलाकों की मैपिंग करने और आपदा का जोखिम कम करने के लिए संयुक्त कदम उठाने की बात हुई। यानी दोनों देशों को पता था कि हिमालय इलाकों में ग्लेशियर और ग्लेशियर झीलें कितनी बड़ी चुनौती बन सकती हैं। लेकिन बैठक के बाद नेपाल के अधिकारियों को लगा कि उन्हें ग्लेशियर के खतरे और पानी के स्तर से जुड़ी उतनी जानकारी नहीं मिल रही जितनी वे चाहते थे। इस बैठक में मौजूद शख्स ने राउटर्स को बताया कि नेपाल चाहता था कि अगर उस इलाके में ग्लेशियर की हलचल या उसके आसपास कोई असामान्य गतिविधि दिखाई दे तो उसकी जानकारी थोड़ी पहले मिल जाए क्योंकि पहाड़ों में कुछ मिनट और कुछ घंटे का समय भी जिंदगी और मौत के बीच का अंतर बन सकता है। नेपाल के उत्तर में चीन और दक्षिण में भारत है। यह दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत श्रृंखला, हिमालय का घर है, जहां विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट स्थित है। नेपाल में 3,000 से अधिक ग्लेशियर हैं, जो तेजी से पिघलने के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। क दशक के अध्ययन से पता चलता है कि जिस याला ग्लेशियर (ल्संं ळसंबपमत) में यह हादसा हुआ, उसने उस दशक में लगभग 33 फीट जल–समतुल्य बर्फ खो दीकृ यानी करीब तीन मंजिला इमारत के बराबर पानी। इसके साथ ही, नेपाल इस समय अपने इतिहास की सबसे भीषण गर्मियों में से एक का सामना कर रहा है। ग्लेशियर के ढहने वाला क्षेत्र लगभग 1 मील (1.6 किमी) चौड़ा था। यह स्थान समुद्र तल से लगभग 16,700 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। रिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने ग्लेशियर ढहने का सटीक समय 10:52:10 दर्ज किया। सर्दियों (जनवरी) में ताजा बर्फ की वजह से सतह का एल्बिडो अधिक रहता है, जिससे सूरज की किरणें अंतरिक्ष में वापस लौट जाती हैं और बर्फ कम पिघलती है। त्यधिक तापमान के कारण ऊपरी सफेद बर्फ पिघल गई और नीचे मौजूद मटमैला, भूरा और पत्थरों से भरा ग्लेशियर बाहर आ गया। इस गहरे रंग की सतह ने अधिक गर्मी सोखी, जिससे बर्फ पिघलने की प्रक्रिया अत्यंत तेज हो गई। ढलान, छोटे झटके और जमने–पिघलने के चक्र ने ग्लेशियर को संरचनात्मक रूप से कमजोर कर दिया। ग्लेशियर के शीर्ष से नीचे नदी तक लगभग 3.4 मील की दूरी में 7,000 फीट की सीधी गिरावट है। यह रास्ता एक प्राकृतिक संकरे चौनल जैसा बना हुआ था। ब भारी मात्रा में बर्फ और चट्टानें नीचे गिरीं, तो घर्षण और अत्यधिक दबाव के कारण बर्फ तुरंत चूर्ण होकर पानी और मलबे में बदल गई। 300 फीट ऊंची मलबे की दीवाररू संकरी घाटी में पानी और मलबे का स्तर तेजी से बढ़ा। हेलिकॉप्टर सर्वेक्षण के अनुसार, मलबे की रेखा की ऊंचाई लगभग 300 फीट तक पहुंच गई थी। याला ग्लेशियर से चीन–नेपाल बॉर्डर चेकपॉइंट की दूरी करीब 13.4 मील है, जहां कुल ढलान 10,500 फीट का है। (इसकी तुलना में अमेरिका की मिसिसिपी नदी 1,700 मील में केवल 750 फीट नीचे उतरती है)। सीसीटीवी कैमरों के अनुसार, मलबे की लहर ठीक 10रू59रू50 पर चेकपॉइंट की इमारत से टकराई। ग्लेशियर ढहने के ठीक 7 मिनट 40 सेकंड बाद यह सैलाब सीमा चौकी तक पहुंच गया था।

युवाओं के नेतृत्व में एक क्रांतिकारी बदलाव से गुजर रहा है भारत

डॉ. अरुण मित्रा

संदर्भ एक खास तौर पर सकारात्मक बात यह है कि युवा सांप्रदायिक राजनीति को नकार रहे हैं। खुद प्रधानमंत्री द्वारा आलोचकों और सवाल उठाने वाले नागरिकों को श्मेंटल नक्सलश (मानसिक नक्सली) करार देने की कोशिशों ने युवाओं और छात्रों को और नाराज किया है। हालांकि, यह मुद्दा किसी खास सरकार या राजनीतिक पार्टी से कहीं ज्यादा गहरा है। वैज्ञानिक समझ के अनुसार, समाज हमेशा बदलता रहता है, और बदलाव जरूरी है। कभी–कभी बदलाव तेजी से होता है, तो कभी हालात इसे धीमा कर देते हैं। भारत के आजादी की लड़ाई के दौरान, 1857 का विद्रोह ब्रिटिश साम्राज्यवाद के लिए एक मजबूत और तेज चुनौती थी, जिसके साथ बहुत बड़ी कु बानी भी देनी पड़ी थी। हालांकि, अपनी हार के बाद, ब्रिटिश सरकार के कड़े दबाव और उससे मिली निराशा के कारण आंदोलन कमजोर पड़ गया। एक संगठित देशव्यापी आंदोलन को फिर से विकिसत होने में कई दशक लग गए। 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना, जिसके मुख्य संस्थापक ए. ओ. ह्यूम थे और जिसमें दादाभाई नौरोजी, सुरेंद्रनाथ बनर्जी, दिनशॉ वाचा, फिरोजशाह मेहता और बदरुद्दीन तैयबजी जैसे अहम भारतीय नेता थे, एक अहम घटना थी। उमेश चंदर बनर्जी इसके पहले अध्यक्ष बने। शुरुआती कांग्रेस ने राजनीतिक चेतना पैदा करने, भारतीयों को एकजुट करने, प्रशासन और विधायिका में ज्यादा प्रतिनिधित्व पक्का करने और संवैधानिक सुधारों की मांग की। ध्ीरे–धीरे इस आन्दोलन के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए अंदर ही अंदर चर्चाएं होने लगीं। श्गरम दल और नरम दलश्च के रूप में मजबूत बहसें होने लगीं। 1905 में जब अंग्रेजों ने सांप्रदायिक आधार पर बंगाल को बांट दिया, तो एक मजबूत श्बंग भंग विरोधीश्च आन्दोलन हुआ। सभी धार्मिक ग्रुप के लोग अंग्रेजों की साजिशों का विरोध करने के लिए एक साथ आए। फिर जलियांवाला बाग हत्याकांड हुआ। इसके बाद असहयोग आन्दोलन शुरु हुआ।यह 1921 की बात है जब ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद से पूरी आजादी की मांग की। उस दौरान पूरे देश में मजदूर आन्दोलन हुए। मौलाना हसरत मोहानी ने 1921 में मशहूर क्रांतिकारी नारा श्इंकलाब जिंदाबादश्च गढ़ा और अंग्रेजों से पूरी आजादी (आजादी–ए–कामिल) की मांग की। आजादी की लड़ाई को बाद में क्रांतिकारी आंदोलन, गदर आंदोलन, कम्युनिस्ट आंदोलन, मजदूरों और किसानों के संघर्ष, महिलाओं की भागीदारी और कई दूसरे लोकप्रिय आंदोलनों से ताकत मिली। हालांकि, समय के साथ कांग्रेस की राजनीति बदली, और 1929 के लाहौर सेशन में, पूर्ण स्वराज इसका औपचारिक लक्ष्य बन गया। आजादी के बाद भी, लोगों के अधिकारों के लिए आंदोलन जारी रहे, जिसमें छात्रों और युवाओं ने अहम भूमिका निभाई, खासकर 1980 के दशक तक।हालांकि, 1980 के दशक के बाद, छात्र आंदोलन काफी कमजोर हो गए। उसी समय, भारत की आर्थिक नीतियों में बड़े बदलाव हुए। दशक के आखिर तक, निजी पूंजी और कॉर्पोरेट के पक्ष में नीतियां जोर पकड़ रही थीं। पी. वी. नरसिम्हा राव और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकारों के तहत इन नीतियों को मजबूत किया गया और डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में और तेजी आई।भारतीय अर्थव्यवस्था कई मामलों में बेहतर हुई, लेकिन आर्थिक विकास का फायदा बहुत असमान रूप से बंटा हुआ था। दौलत तेजी से एक जगह इकट्ठा होती गई, जबकि समाज का बड़ा हिस्सा आर्थिक रूप से कमजोर बना रहा। पढ़ाई–लिखाई लगातार महंगी होती गई, उच्च शिक्षा तक पहुंचना मुश्किल होता गया, और नौजवानों के लिए नौकरी के मौके लगातार पक्के नहीं रहे।नरेंद्र मोदी और भाजपा के सत्ता में आने के बाद, ये रुझान और तेज हो गए। रुपये और अन्य संसाधन तेजी से कुछ कॉर्पोरेट ग्रुप के हाथों में जमा होते गए। यूपीए के शासन के समय में, भारत की समस्याओं की मुख्य वजह भ्रष्टाचार को बताया गया, जबकि नरेंद्र मोदी को एक मजबूत नेता के तौर पर दिखाया गया जो देश को तेजी से बदल देगा। 2014 के बाद, आर्थिक मुश्किलों, बेरोजगारी और दूसरी नाकामियों के लिए अक्सर पिछली सरकारों को जिम्मेदार ठहराया गया, जबकि यह भावना भरी जाने लगी कि भारत को अपनी श्असली आजादीश्च 2014 के बाद ही मिली। साथ ही, साम्प्रदायिक बातों ने बेरोजगारी, महंगाई और यहां तक कि सामाजिक समस्याओं को भी मुसलमानों से जोड़ दिया। इससे नफरत और हिंसा का माहौल बना और भारत का सामाजिक ताना–बाना कमजोर हुआ। लेकिन ऐसी बातें हमेशा नहीं चल सकतीं। छात्र और नौजवान, जो दशकों से काफी हद तक सुस्त रहे थे, अब अपनी असली समस्याओं कृ बेरोजगारी, महंगी शिक्षा, गैर–बराबरी, मौकों की कमी और लोकतांत्रिक आजादी पर पाबंदियों कृ को पहचानने लगे हैं। हाल के छात्र और नौजवानों के विरोध प्रदर्शन इस बदलती सोच की ओर इशारा करते हैं। युवाओं के बारे में अपमानजनक बातों, किसानों की मांगों को संभालने के तरीके और असहमति को दबाने के कथित तरीके को लेकर गुस्सा बढ़ गया है। ऑल इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन (एआईएसएफ), स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (आइसा), नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) और कुछ दूसरे संगठन इन मुद्दों को उठाते रहे। यही एक कारण था कि भारत के मुख्य न्यायाध ीश के युवाओं को कथित तौर पर श्कॉकरोचश्च कहने का बड़े पैमाने पर विरोध हुआ और कॉकरोच संगठन बनाया गया। इसके बाद जंतर–मंतर पर प्रदर्शन हुआ। सोनम वांगचुक को हिरासत में लेने और उसके बाद प्रदर्शनकारियों पर की गई कार्रवाई ने युवाओं के बीच इस भावना को और मजबूत किया कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात कहने का उनका अधिकार खतरे में है। अधिकारियों के रवैये, जिसमें जरूरत से ज्यादा बल का प्रयोग और प्रदर्शनकारियों को बदनाम करने की कोशिशें शामिल हैं, ने लोकतंत्र की स्थिति को लेकर जनता की चिंता को और बढ़ा दिया है। पीछे हटने के बजाय, छात्र और युवा एकजुट होते रहे हैं।

एक देश, एक चुनाव की चर्चा तेज

अजीत द्विवेदी

अचानक श्एक देश, एक चुनावश्च की चर्चा तेज हो गई है। संसद की संयुक्त समिति यानी जेपीसी के अध्यक्ष पीपी चौधरी अचानक सक्रिय हो गए हैं और कहा जाने लगा है कि 2029 में ही पूरे देश के चुनाव एक साथ हो सकते हैं। मीडिया में इस पर बहसें होने लगी हैं। अचानक आई इस तेजी से दो सवाल उठते हैं। पहला तो यह कि सरकार अभी तक परिसीमन और महिला आरक्षण के प्रयास में लगी है तो फिर श्एक देश, एक चुनावश्च की चर्चा क्यों शुरू हुई और दूसरा सवाल यह कि अगर महिला आरक्षण कानून को सरकार संशोधित नहीं करा पा रही है तो पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए लाए गए संविधान के 129वें संशोधन विधेयक को कैसे पास कराएगी? ध्यान रहे जिस तरह नारी शक्ति वंदन कानून में बदलाव के लिए लाए गए 131वें संशोधन विधेयक को पास कराने के लिए दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत की जरुरत है वैसे ही 129वें संशोधन के लिए भी दो तिहाई बहुमत चाहिए, जो सरकार के पास नहीं है। अगर सरकार 129वें संशोधन को पास नहीं करा पाती है तो 2029 में श्एक देश, एक चुनावश्च संभव नहीं है। इसके बावजूद अगर भाजपा चाहे तो बहुत से राज्यों के चुनाव लोकसभा के साथ करा सकती है। इसके लिए उसे अपने शासन वाले राज्यों की सरकारों से संबंधित राज्य की विधानसभा को समय से पहले भंग कराना होगा। अगर भाजपा ऐसा करती है तो कांग्रेस या दूसरी पार्टियों के शासन वाले राज्यों पर भी दबाव बनेगा कि वे इस अभियान में शामिल हों। इसके लिए भाजपा को अगले साल होने वाले चुनावों से ही तैयारी शुरू करानी होगी। हालांकि यह तय माना जा रहा है कि विपक्षी पार्टियां एक साथ चुनाव के लिए तैयार नहीं होंगी। कांग्रेस के पी चिदंबरम ने केंद्र सरकार के इस प्रयास को असंवैधानिक बताया है तो जेपीसी में शामिल तृणमूल कांग्रेस की सागरिका घोष ने भी इसका विरोध किया है। दोनों ने समिति के सामने अपनी पार्टी की राय स्पष्ट रूप से रख दी है।

इसलिए केंद्र सरकार और भाजपा के पास यह रास्ता बचता है कि वह अपने शासन वाले राज्यों की विधानसभा समय से पहले भंग कराए और एक साथ चुनाव करा कर एक मिसाल बनाए। वैसे लोकसभा के साथ चार राज्यों के चुनाव स्वतरू होते हैं। आंध्र प्रदेश, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के चुनाव लोकसभा के साथ में होते हैं। इनके अलावा तीन अन्य राज्यों के चुनाव उसी साल के अंत में होते हैं। इनमें से दो राज्यों महाराष्ट्र और हरियाणा में भाजपा की सरकार है, जबकि झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार है। चुनाव आयोग चाहे तो इन तीनों राज्यों का चुनाव मई में लोकसभा के साथ करा सकता है। इस तरह लोकसभा और सात राज्यों में एक साथ चुनाव कराए जा सकते हैं। अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने के आइडिया को लेकर गंभीर हुए, अभी तक वह गंभीरता नहीं दिखी है, तो 2030 और 2031 में जिन भाजपा शासित राज्यों में चुनाव होने हैं, वहां की विधानसभा भंग करा सकते हैं। 2030 में दो राज्यों दिल्ली और बिहार का चुनाव है, जहां भाजपा की सरकार है। 2031 में पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी के चुनाव होंगे। इनमें से तीन राज्यों में भाजपा की सरकार है। अगर भाजपा चाहे तो तीनों राज्यों में समय से पहले चुनाव करा सकती है। अगर 2030 और 2031 के पांच राज्यों के चुनाव समय से पहले होते हैं तो लोकसभा के साथ 12 राज्यों के चुनाव हो सकते हैं। अगले साल यानी 2027 में सात राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें पंजाब और हिमाचल छोड़ कर बाकी पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर और गुजरात में भाजपा की सरकार है। उसके अगले साल यानी 2028 में पांच बड़े राज्यों के चुनाव हैं, जिनमें कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस सत्ता में है, जबकि मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार है। इनके अलावा पूर्वोत्तर के चार राज्यों मेघालय, त्रिपुरा, नगालैंड और मिजोरम के चुनाव भी 2028 में हैं। 2027 के चुनावों को तो 2029 तक स्थगित नहीं किया जा सकता है। लेकिन क्या 2028 के चुनावों के 2029 के लिए स्थगित किया जा सकता है? विध ाानसभाओं का कार्यकाल बढ़ाने के लिए कानून बनाने की जरुरत होगी, जो संभव नहीं दिख रहा है। दूसरा रास्ता राष्ट्रपति शासन लगाने का है। लेकिन यह काम विपक्षी पार्टियों की सहमति के बगैर संभव नहीं है। कांग्रेस इस बात के लिए तैयार नहीं होगी कि कम से कम उसके शासन वाले राज्यों में राष्ट्रपति शासन में चुनाव हो। भाजपा शासित राज्यों में भी राष्ट्रपति शासन लगा कर चुनाव टालना एक संवैधानिक मामला बनेगा, जिसे अदालत में चुनौती दी जा सकती है। लेकिन अगर राजनीतिक सहमति बने तो 2028 के नौ चुनाव भी 2029 में कराए जा सकते हैं। इस तरह लोकसभा और कम से कम 21 राज्यों के चुनाव एक साथ हो जाएंगे। परंतु यह पूरा हिसाब किताब दूर की कौड़ी लग रहा है। संसद से कानून बनाए बगैर और संविधान के प्रावध ाानों को बदले बगैर श्एक देश, एक चुनावश्च मुमकिन नहीं दिख रहा है।

अमेरिका में भागवत- विवेकानंद नंबर टू या पाखंडी नंबर वन

राजेंद्र

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष आयोजन के बहाने से, संघ प्रमुख भागवत ने अमेरिका में सार्वभौम एकात्मता या यूनिवर्सल वननैस के अपने उपदेश के जरिए, विवेकानंद–टू बनना चाहा है। न्यूयार्क के मेडिसन स्क्वायर गार्डेन सभागार में भागवत का करीब पौने घंटे का व्याख्यान ही इस दौरे का मुख्य ईवेंट था। लेकिन, इस आयोजन में अगर करीब पांच हजार लोग, जिनमें जाहिर है कि प्रचंड बहुमत प्रवासी भारतीयों का था।अगर कोई हिंदू यह मानता है कि भारत में मुसलमान रहें ही नहीं, तो वह हिंदू रहेगा ही नहीं।श्च और यह भी कि, श्अगर कोई खुद को हिंदू कहता है, तो उसे यह मानना होगा कि रास्ते (पूजा पद्धतियां) अलग–अलग हैं, पर एक ही लक्ष्य को जाते हैं।श्च हिंदू की यह परिभाषा और पहचान, किसी और ने नहीं, आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने न्यूयार्क के अपने दौरे पर पेश की है। जाहिर है कि हिंदू और हिंदुत्व की इस तरह की उदार परिभाषा पेश करने के जरिए, संघ प्रमुख न सिर्फ आरएसएस की बल्कि उसके द्वारा सख्ती से नियंत्रित मोदी शासन की भी, इसके लिए दुनिया भर में हो रही आलोचनाओं को नकारने की कोशिश कर रहे थे कि वे असल में हिंदू सर्वोच्चतावादी राज और राजनीति के प्रतिनिधि हैं, जो हर प्रकार के अल्पसंख्यकों के अधिकारों की दुश्मन है।बहरहाल पश्चिम में आरएसएस–मोदी राज के धर्मनिरपेक्ष मेकओवर की यह कोशिश, कारगर होती नजर नहीं आती है। इसकी मोटे तौर पर दो बड़ी वजहें हैं। पहली तो यही कि यह कोशिश बढ़ती संख्या में अंतरराष्ट्रीय धार्मिक अधिकार तथा मानवाधिकार संगठनों ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र संघ के मंचों द्वारा भी, मोदी के राज में धार्मिक अल्पसंख्यकों समेत विभिन्न कमजोर तबकों के साथ बढ़ते भेदभाव तथा उनके अधिकारों पर बढ़ते हमलों की, एक के बाद लगातार आ रही रिपोर्टों के दबाव में की जा रही थी। यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ) के मोदी राज को साल दर साल धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति के पहलू से श्गंभीर चिंताश्च का विषय घोषित करने और हर बार अमेरिकी सरकार पर इस सिलसिले में भारत पर दबाव डालने के लिए पाबंदियां लगाने की मांग करने के बाद, अब संयुक्त राष्ट्र संघ की कमेटी ऑन एलीमिनेशन आफ रेशियल डिस्क्रिमिनेशन (सीईआरडी) ने भी अपनी समीक्षा रिपोर्ट में, भारत की स्थिति को श्गंभीर चिंताश्च का विषय कहा है।परदेश में मोदी राज और उसके वाहक के रूप में आरएसएस के इस मेकओवर के लोगों को भ्रमित न कर पाने की और भी बड़ी वजह, इस राज तथा आरएसएस का वास्तविक आचरण है, जो आरएसएस के मेकओवर की इस कोशिश को, एक भोंडे प्रहसन में तब्दील कर देती है। यह संयोग ही नहीं है कि ठीक उस समय जब मोहन भागवत अमेरिका में यह साबित करने की कोशिश कर रहे थे कि उनकी हिंदू राष्ट्र की परिकल्पना तो सर्वसमावेशी है, ठीक उसी समय सत्ताधारी भाजपा का आईटी सेल, देश में एक ऐसा नया आक्रामक वीडियो रील अभियान छेड़ रहा था, जिसकी एक और सिर्फ एक ही थीम हैकृविरोधियों के खिलाफ भयानक हिंसा। लेकिन, सत्ताधारी पार्टी के प्रचार आह्वज्ञान में हिंसा के स्वर का बढ़ना ही, अकेला बदलाव नहीं था जो भारत में ठीक उसी समय हो रहा था, अमेरिका में भागवत एक झूठा उदार मुखौटा लगाने की कोशिश कर रहे थे। जब अमेरिका में भागवत यह कह रहे थे कि श्अगर कोई हिंदू यह मानता है कि भारत में मुसलमान रहें ही नहीं, तो वह हिंदू रहेगा ही नहींश्च ठीक उसी समय भाजपा–शासित उत्तराखंड और ओडिशा से इसकी रिपोर्टें आ रही थीं कि किस तरह, इस दौरान जारी एसआईआर की प्रक्रिया को, टार्गेट कर के मतदाता सूचियों से मुसलमानों के नाम काटे जाने के मौके में तब्दील किया जा रहा है। उधर चंद महीने पहले संघ–भाजपा द्वारा फतेह किए गए प. बंगाल में, एक ओर चर्चों तथा पादरियों पर हिंसक हमलों की शुरूआत हो रही थी और दूसरी ओर, दुर्गा पूजा के बंगाली प्रभावों से श्शुद्धीकरणश्च की मुहिम छेड़ी जा रही थी। जब भागवत इसका उपदेश कर रहे थे कि, श्हरेक मनुष्य की गरिमा का सम्मान होना चाहिए,श ठीक तभी उनके संघ पोषित राज में उत्तराखंड में, देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के अध्यक्ष के दलित होने के कारण, उनकी सभा के बाद सभा मंच का बाकायदा यज्ञ कर के श्शुद्धीकरणश्च किए जाने के बाद, सत्ताधारी पार्टी के नेतागण उसका बचाव करने से लेकर, उसे झुठलाने तक में लगे हुए थे, जबकि देश के कानून के अनुसार यह संज्ञेय अपराध ा है। और जब भागवत अमेरिकी श्रोताओं को यह भरोसा दिला रहे थे कि उनके विचार परिवार की नजरों में श्सब मनुष्य समान हैंश, उसके आस–पास संसद में विपक्ष के नेता, राहुल गांधी के महिला स्वतंत्रता के पक्ष में बोलते हुए, श्पितृसत्ताश्च पर हमला करने और उसे सैद्धांतिक–ध ार्मिक वैधता देने के लिए श्मनुस्मृतिश्च की आलोचना करने के लिए, सत्ता में बैठे भागवत अनुयायी, महिलाओं और शूद्रों की पूर्ण अधिकारहीनता की पैरवी करने वाली इस नियमावली का हिंदू–धार्मिक ग्रंथ कहकर बचाव ही नहीं कर रहे थे, इस आलोचना को हिंदुओं पर हमला बताकर, इस बहस को भी सांप्रदायिक मोड़ देने की कोशिश कर रहे थे। कहने की जरूरत नहीं है कि इन और ऐसे सभी मामलों में संघ की सेनाएं, जमीन पर भारत में और वास्तव में एक हद तक तो अमेरिका समेत पश्चिम में भी, उन तमाम उदार आदर्शों के खिलाफ युद्घ ही छेड़े रही हैं, जिनका उपदेश भागवत संघ के मेकओवर के लिए कर रहे थे और भागवत ने कभी उन्हें टोका हो, इसके कोई साक्ष्य नहीं हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि न सिर्फ सत्ता में बैठी भाजपा बल्कि के उसके दबाव में संघ परिवार का बड़ा हिस्सा ही, आरएसएस प्रमुख के विचारों से दूर चला गया हो? तत्काल कम से कम तीन प्रसंग ऐसे याद आते हैं, जिनमें स्वयंसंघ प्रमुख भागवत वर्तमान शासन और संघ परिवार को, न्यूयार्क के उनके उपदेश से ठीक उल्टी दिशा में धकेलने की अगुआई करते हुए दुनिया ने देखा था। पहला प्रसंग, मोदी राज के शुरूआती दौर का है, जब गो–गुंडों की मॉब लिंचिंग का सिलसिला शुरू ही हो रहा था। 6 अगस्त 2016 को दिल्ली में एक आयोजन में प्रधानमंत्री मोदी ने इसके खिलाफ कड़े शब्दों का प्रयोग करते हुए, कहा था कि बहुत से लोग दिन में गोरक्षक बन जाते हैं और रात को अपराध करते हैं।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की 1,535 मेधावी छात्राओं को मिलेगी स्कूटी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर और जौनपुर–गाजीपुर के संबद्ध महाविद्यालयों में अध्ययनरत मेधावी छात्राओं को शासन की योजना के तहत स्कूटी मिलेगी। स्नातक अंतिम वर्ष में टॉप–5 प्रतिशत के आधार पर चयनित 1,526 छात्र–छात्राओं के साथ कटऑफ पर समान अंक पाने वाले नौ विद्यार्थियों को भी पात्रता सूची में शामिल किया गया है। इस तरह कुल 1,535 विद्यार्थी योजना के दायरे में आए हैं। विश्वविद्यालय परिसर समेत उससे संबद्ध 605 महाविद्यालयों में स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा में कुल 30,552 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए थे। शासन द्वारा निर्धारित मानक के अनुसार इनमें से टॉप–5 प्रतिशत विद्यार्थियों का चयन किया गया है। अंतिम कटऑफ पर समान अंक होने के कारण नौ अतिरिक्त विद्यार्थियों को भी लाभार्थियों की सूची में शामिल किया गया है।

योजना के तहत मेधावी छात्राओं के अलावा निराश्रित, 80 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाली छात्राओं और बलिदानियों की बेटियों को भी लाभ दिया जाएगा। निराश्रित श्रेणी में माता–पिता में से किसी एक के न होने की स्थिति को पात्रता के लिए मान्य किया जाएगा। दिव्यांग छात्राओं को 80 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना होगा। वहीं, बलिदानियों की बेटियों को निर्धारित प्रमाण–पत्र के आधार पर योजना का लाभ मिलेगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से पात्र विद्यार्थियों का विवरण जुटाया जा रहा है। अब तक 32 महाविद्यालयों ने आवश्यक विवरण उपलब्ध करा दिया है। अन्य महाविद्यालयों से भी जल्द विवरण उपलब्ध कराने को कहा गया है।

मंदिरों से मूर्तियां और घंटे चुराने वाले गिरोह का खुलासा, पांच गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर पुलिस ने मंदिरों से मूर्तियां और घंटे चोरी करने वाले गिरोह का बुधवार को खुलासा करते हुए पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चोरी की गई अष्टधातु की राम, सीता और लक्ष्मण की मूर्तियां, 21 मंदिर के घंटे और चोरी की घटनाओं में प्रयुक्त चार पहिया वाहन बरामद किया है। सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता ने बुधवार को पुलिस लाइन में खुलासा करते हुए बताया कि गिरफ्तार आरोपित एक संगठित गिरोह के रूप में अलग–अलग मंदिरों को निशाना बनाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। गिरोह का मुख्य सरगना राजन तिवारी बताया गया है। पुलिस ने चोरी का सामान बेचने और खरीदने वालों को भी गिरफ्तार किया है। सीओ सिटी के अनुसार, 11 अगस्त को पवारा थाना क्षेत्र स्थित अदेश्वर महादेव मंदिर से अष्टधातु की राम, सीता और लक्ष्मण की मूर्तियां चोरी हुई थीं। इसके बाद लाइन बाजार थाना क्षेत्र के एक मंदिर से घंटे चोरी किए गए। मीरगंज थाना क्षेत्र में भी दो से तीन मंदिरों से घंटे चोरी होने की घटनाएं सामने आई थीं। घटनाओं के खुलासे के लिए पवारा, मीरगंज और लाइन बाजार थाना पुलिस के साथ सर्विलांस टीम को लगाया गया था। मंगलवार देर रात पुलिस टीमों ने घेराबंदी कर रामपुर थाना क्षेत्र के कुंभापुर से पांचों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपितों के पास से 21 घंटे, चोरी की मूर्तियां और वारदात में इस्तेमाल चार पहिया वाहन बरामद हुआ है। पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और चोरी के सामान की खरीद–फरोख्त के संबंध में आगे जांच कर रही है।

युवक की संदिग्ध मौत से मचा हड़कंप, राइस मिल परिसर में मिला शव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के पिलखुआ गांव में मंगलवार रात एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से सनसनी फैल गई। बुधवार सुबह युवक का शव घर से करीब 200 मीटर दूर स्थित एक राइस मिल परिसर के पास मिला। घटना की जानकारी होते ही परिजनों और ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान अमित कुमार (32) पुत्र सभाजीत निवासी पिलखुआ के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि मंगलवार रात युवक घर से कुछ दूरी पर स्थित राइस मिल परिसर के पास गया था। देर रात उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बुधवार को जानकारी मिलने पर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। सूचना मिलने पर पुलिस टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी केराकत अजय कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मानसिक एवं भावनात्मक संतुलन को समझने और उपचार प्रक्रिया में मनोवैज्ञानिक तकनीकों के महत्व पर दिया गया विशेष प्रशिक्षण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पेपर मिल कॉलोनी, लखनऊ स्थित डिवाइन प्राणिक हीलिंग सेंटर में 29 अगस्त से 1 सितंबर 2026 तक आयोजित किए जा रहे एडवांस्ड प्राणिक हीलिंग कोर्स के अंतर्गत दो दिवसीय साइकोथेरेपी क्लास का विशेष आयोजन किया गया। इस विशेष प्रशिक्षण सत्र का मार्गदर्शन नोएडा की सुश्री शेली मैडम ने प्रतिभागियों को मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर कार्य करने की विभिन्न तकनीकियों तथा उनके व्यावहारिक उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्राणिक हीलिंग के व्यापक प्रशिक्षण में साइकोथेरेपी एक महत्वपूर्ण सहायक उपकरण के रूप में देखी जाती है। व्यक्ति के विचार, भावनाएं, तनाव और मानसिक दृष्टिकोण उसके समग्र कल्याण को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए किसी व्यक्ति की समस्याओं को समझते समय उसके मानसिक, भावनात्मक और ऊर्जात्मक पहलुओं को भी समझना उपयोगी हो सकता है। साइकोथेरेपी प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को यह समझने का अवसर मिलता है कि वेरू

– नकारात्मक विचारों और भावनात्मक पैटर्न को पहचान सकें।

– तनाव, भय, चिंता तथा भावनात्मक असंतुलन को बेहतर ढंग से समझ सकें।

– सकारात्मक सोच एवं स्वस्थ भावनात्मक प्रतिक्रियाओं को प्रोत्साहित कर सकें।

– आत्म–जागरूकता और भावनात्मक संतुलन विकसित करने में सहायता कर सकें।

– व्यक्ति की भावनात्मक आवश्यकताओं के प्रति अधिक संवेदनशील एवं सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपना सकें।

– प्राणिक हीलिंग के साथ मनोवैज्ञानिक समझ को जिम्मेदारी और उचित सीमाओं के साथ प्रयोग करना सीख सकें।

समग्र उपचार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को यह समझाना है कि व्यक्ति के कल्याण को केवल शारीरिक स्तर तक सीमित न रखकर उसके मानसिक एवं भावनात्मक पक्ष को भी समझना आवश्यक है। साइकोथेरेपी से संबंधित ज्ञान प्राणिक हीलिंग प्रैक्टिशनर्स को लोगों की भावनात्मक परिस्थितियों को अधिक संवेदनशीलता और जागरूकता के साथ समझने में सहायक हो सकता है। उन्नत प्राणिक उपचार के माध्यम से शारीरिक लोगों के उपचार से संबंधित है जहां बिना दवा या बिना छुए पद्धति से प्राणिक मनोचिकित्सा, मनोवैज्ञानिक रोगों की रोकथाम निवारण और उपचार में लागू की जाने वाली प्राणिक उपचार एक सरल विधि है । विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में अपार प्रगति की बावजूद अवसाद नशे की लत शराब नशीली दवाओं के आदी मरीजों की बीमारियों का इलाज महंगा जटिल और उपचार में लंबा समय लेने वाला होता है। प्राणिक मनोचिकित्सा का उद्देश्य आधुनिक चिकित्सा का पूरक बना है, और लंबे समय में छिपे हुए गूढ़ सिद्धांतों और तकनीक का उपयोग करके लाखों मानसिक रोगियों के कष्टों को शीघ्रता से कम करना है। इसके सिद्धांतों और तकनीकियों का उपयोग कर पारिवारिक संबंधों को बेहतर बनाने और टूटने की कगार पर खड़े वैवाहिक संबंधों को बचाने के लिए भी किया जाता है । नेपाल में विगत दिनों में आई प्राकृतिक आपदा और इस विविधता में जान खोने वालों की आत्मा की शांति के लिए प्राणिक हीलिंग सेंटर पर सामूहिक प्रार्थना की गई। दो दिवसीय एडवांस्ड प्राणिक हीलिंग कोर्स एवं दो दिवसीय प्राणिक साइकोथिरेपी कोर्स के माध्यम से प्रतिभागियों को उन्नत उपचार तकनीकों के साथ–साथ मानसिक एवं भावनात्मक आयामों की बेहतर समझ विकसित करने का अवसर मिला।

13 साल की शादी टूटने की कगार पर थी, आशियाना पुलिस की काउंसिलिंग से दंपती में सुलह

लखनऊ, (संवाददाता)। पारिवारिक और घरेलू विवाद के चलते तलाक की स्थिति तक पहुंच चुके एक दंपती के बीच आशियाना पुलिस की प्रभावी काउंसिलिंग और मध्यस्थता के बाद समझौता हो गया। करीब 13 वर्ष से वैवाहिक जीवन में रह रहे दंपती की लगभग 11 वर्ष की बेटी भी है। पुलिस के प्रयासों के बाद पति–पत्नी ने अपने आपसी मतभेद दूर कर एक साथ रहने पर सहमति जताई।पुलिस के अनुसार, 30 जुलाई 2026 को थाना आशियाना स्थित महिला सहायता केंद्र में एक महिला ने अपने पति के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में महिला ने पति के साथ चल रहे पारिवारिक एवं घरेलू विवाद का उल्लेख किया था। लंबे समय से विवाद के कारण पति–पत्नी के आपसी संबंध काफी खराब हो गए थे और स्थिति तलाक तक पहुंच गई थी।शिकायत प्राप्त होने के बाद आशियाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू की। पुलिस टीम ने पति–पत्नी दोनों पक्षों को थाने पर बुलाया और मामले को समझने के बाद उनकी काउंसिलिंग की। पुलिसकर्मियों ने दोनों पक्षों से अलग–अलग तथा संयुक्त रूप से बातचीत कर विवाद के कारणों को समझने और आपसी मतभेद दूर करने का प्रयास किया।पुलिस की समझाइश और सार्थक मध्यस्थता का सकारात्मक परिणाम सामने आया। काउंसिलिंग के दौरान दोनों पक्षों ने एक–दूसरे की शिकायतों और मतभेदों को दूर करने पर सहमति व्यक्त की। बातचीत के बाद पति–पत्नी ने आपसी विवाद समाप्त कर एक साथ प्रेमपूर्वक और शांतिपूर्वक रहने का निर्णय लिया।पुलिस के मुताबिक दोनों पक्षों ने अपनी स्वेच्छा से, बिना किसी दबाव के आपस में समझौता किया है। पति–पत्नी ने एक साथ रहने के लिए अपनी सहमति जताई और पारिवारिक जीवन को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। पुलिस की इस पहल से न केवल दंपती के बीच विवाद समाप्त हुआ, बल्कि उनकी करीब 11 वर्ष की बेटी के पारिवारिक जीवन पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को भी कम करने में मदद मिली।आशियाना पुलिस की महिला सहायता केंद्र एवं काउंसिलिंग टीम ने मामले में मध्यस्थ की भूमिका निभाते हुए दोनों पक्षों के बीच संवाद स्थापित कराया। पुलिस ने विवाद को केवल कानूनी प्रक्रिया तक सीमित रखने के बजाय बातचीत और आपसी समझ के माध्यम से परिवार को टूटने से बचाने का प्रयास किया।इस काउंसिलिंग एवं समझौता प्रक्रिया में थाना आशियाना के प्रभारी निरीक्षक गजेन्द्र कुमार राय तथा महिला बीट एवं काउंसिलिंग टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस टीम ने दोनों पक्षों को पारिवारिक विवाद को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए समझाया और आपसी सहमति बनाने में सहयोग किया।

आयुष मंत्री से मिला आयुर्वेदिक-यूनानी डायरेक्टरेट मिनिस्टीरियल सर्विस एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

लखनऊ। आयुर्वेदिक एवं यूनानी डायरेक्टरेट मिनिस्टीरियल सर्विस एसोसिएशन उत्तर प्रदेश का एक प्रतिनिधिमंडल प्रांतीय महामंत्री दीपक श्रीवास्तव के नेतृत्व में रविवार को आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों के संबंध में आयुष मंत्री को पत्रक सौंपकर उनके शीघ्र निस्तारण की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने एकल वरिष्ठता सूची के आधार पर पदोन्नति, वरिष्ठ सहायक पद के पुनर्गठन, स्थायीकरण, समायोजन तथा एसीपी से संबंधित मांगों को प्रमुखता से उठाया। इस दौरान आयुष मंत्री ने संघ की मांगों के निस्तारण में आ रही कठिनाइयों और प्रक्रियागत अड़चनों के बारे में जानकारी ली। प्रांतीय महामंत्री दीपक श्रीवास्तव ने विभिन्न मांगों से जुड़े विषयों और उनके समाधान में आ रही समस्याओं के संबंध में आयुष मंत्री को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कर्मचारियों के हित में लंबित मामलों का जल्द निस्तारण किए जाने का अनुरोध किया। आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि मांगों के निस्तारण के लिए प्रमुख सचिव आयुष को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री के आश्वासन पर आभार जताते हुए उम्मीद जताई कि लंबे समय से लंबित मांगों का जल्द समाधान होगा।

आप सांसद संजय सिंह ने जौनपुर के पांच स्कूलों को लेकर दी चुनौती

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मंगलवार शाम एक होटल में पत्रकारों से बातचीत में जिला प्रशासन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पांच स्कूलों के मामले में चुनौती दी। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन या भाजपा का कोई व्यक्ति इन पांचों स्कूलों को उनके स्थान पर दिखा दे तो वह एक लाख रुपये का इनाम देंगे। यदि स्कूल मिल जाते हैं तो वह उत्तर प्रदेश सरकार के सामने अपनी गलती स्वीकार कर लेंगे। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि इस मामले में अब तक मुख्यमंत्री या प्रदेश सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया है। उन्होंने नगर शिक्षा अधिकारी द्वारा मई में बेसिक शिक्षा अधिकारी को लिखे पत्र का हवाला देते हुए कहा कि इसमें कुछ विद्यालयों का अस्तित्व समाप्त होने तथा कुछ विद्यालयों को दूसरी जगह स्थानांतरित किए जाने की बात कही गई है, जिसकी सूचना प्रशासन को नहीं दी गई। उन्होंने दावा किया कि ये पांच विद्यालय कहीं और स्थानांतरित किए गए हैं या भवन मालिक को वापस कर दिए गए हैं, जबकि यू–डायस पोर्टल पर अभी भी संचालित दिख रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि विद्यालय स्थानांतरित हो चुके हैं तो यू–डायस पर उनकी स्थिति अपडेट क्यों नहीं की गई। संजय सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री ने सदन में कहा था कि प्रदेश में कोई स्कूल बंद नहीं होगा। इसके बावजूद जौनपुर में विद्यालयों के मर्जर की बात की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिले के जर्जर और बदहाल विद्यालयों को ठीक कराने के लिए एक महीने बाद अभियान चलाया जाएगा। डीएम और बीएसए के माध्यम से मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर स्कूलों की स्थिति सुधारने की मांग होगी। मांग पूरी नहीं होने पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने लेखपाल के निलंबन का जिक्र करते हुए कहा कि प्रशासन तानाशाही से नहीं चल सकता। सड़कों की स्थिति को लेकर उन्होंने भाजपा पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और कहा कि सरकार को शिक्षा, सड़क और युवाओं के लिए काम करना चाहिए। राम मंदिर से जुड़े मामले में संजय सिंह ने आरोप लगाया कि चार तरीकों से चोरी की गई है। उन्होंने कहा कि भगवान राम के आभूषण, चढ़ावे, रसीद और जमीन के मामले में अनियमितताएं हुई हैं। उन्होंने दावा किया कि एसआईटी को 13 दस्तावेज दिए गए, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की। संजय सिंह ने कहा कि आगामी चुनाव में आम आदमी पार्टी का प्रमुख मुद्दा शिक्षा और स्कूल होंगे।

जौनपुर में ललही छठ पर माताओं ने की संतान की लंबी उम्र की कामना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जौनपुर जिले में बुधवार को ललही छठ का पर्व आस्था और श्रद्धा के साथ मनाया गया। शहर से लेकर गांव तक विभिन्न स्थानों पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा–अर्चना की। माताओं ने दही, महुआ और विभिन्न फलों का प्रसाद चढ़ाकर अपनी संतान की लंबी उम्र और सुख–समृद्धि की कामना की। महिलाओं ने दिनभर व्रत रखकर हल षष्ठी माता की पूजा की और कथा सुनी। भादो महीने के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व ललही छठ, हल षष्ठी और हलछठ के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम का जन्म हुआ था। इसलिए इसे बलराम जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। बलराम को बलदेव, बलभद्र और बलदाऊ के नाम से भी जाना जाता है तथा उन्हें शेषनाग का अवतार माना जाता है। व्रती महिला शशि कला श्रीवास्तव ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से दो दिन पहले बलराम जी का जन्म हुआ था। बलराम का प्रमुख अस्त्र हल और मूसल था। इसी वजह से इस दिन हल, मूसल और बैल की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। किसान परिवारों में भी इस पर्व को विशेष श्रद्धा के साथ मनाया गया। महिलाओं ने संतान की लंबी उम्र की कामना के लिए कठिन व्रत रखा। व्रत के दौरान सामान्य अनाज का सेवन नहीं किया जाता है। महुआ की दातुन करने की भी परंपरा है। कई स्थानों पर तिन्नी और पसही के चावल जैसे तालाब में उगने वाले अनाज का सेवन किया गया। इस व्रत में गाय के दूध और दही का प्रयोग नहीं किया जाता, बल्कि भैंस के दूध, दही और घी का इस्तेमाल किया जाता है। पूजा के लिए महिलाओं ने घर की दीवार पर गोबर से हल षष्ठी माता का चित्र बनाया। इसके साथ भगवान गणेश और माता गौरा की भी पूजा की गई। कई स्थानों पर महिलाओं ने तालाब के किनारे अथवा घर में छोटा तालाब बनाकर उसमें झरबेरी, पलाश और कांसी के पौधे लगाए। इसके चारों ओर महिलाओं ने विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर हल षष्ठी की कथा सुनी। महिलाओं ने बताया कि कई स्थानों पर यह सामूहिक पूजा करीब 15 वर्षों से लगातार होती आ रही है। पर्व की तैयारियां दो दिन पहले से ही शुरू कर दी गई थीं। बुधवार को सुबह से ही पूजा स्थलों पर महिलाओं की भीड़ जुटने लगी और दिनभर धार्मिक माहौल बना रहा।

स्वाइन फ्लू की रोकथाम एवं बचाव को लेकर मेडिकल कॉलेज जौनपुर में अभियान तेज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर द्वारा शासन के दिशा–निर्देशों के क्रम में स्वाइन फ्लूध्इन्फ्लुएंजा के संबंध में जनसामान्य को जागरूक करने तथा संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण के उद्देश्य से व्यापक जन–जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत चिकित्सा महाविद्यालय, पीएचसी रसूलाबाद सहित विभिन्न स्थानों पर पोस्टर, बैनर एवं अन्य जनसंचार माध्यमों के जरिए लोगों को संक्रमण के लक्षणों, बचाव के उपायों तथा समय पर चिकित्सकीय परामर्श के प्रति जागरूक किया जा रहा है। प्रधानाचार्य – प्रो. डॉ. आर. बी. कमल ने जनसामान्य को आश्वस्त करते हुए कहा कि स्वाइन फ्लूध्इन्फ्लुएंजा एक सामान्य वायरल संक्रमण की तरह होता है और अधिकांश मामलों में स्वतः ही ठीक हो जाता है। इसलिए अनावश्यक भय या घबराहट की आवश्यकता नहीं है, बल्कि सावधानी और सतर्कता अपनाना अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सर्दी, खांसी, गले में खराश, बुखार या शरीर में दर्द जैसे लक्षण होने पर पर्याप्त आराम करें, तरल पदार्थों का सेवन करें, लक्षणों की निगरानी रखें और संक्रमण फैलने से रोकने के लिए मास्क का उपयोग, हाथों की नियमित सफाई तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों से बचने जैसी सावधानियां अपनाएं। उन्होंने नागरिकों से केवल पंजीकृत चिकित्सकों से ही परामर्श लेने तथा सोशल मीडिया पर प्रसारित अपुष्ट सूचनाओं से बचने की अपील की। साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि चिकित्सा महाविद्यालय संभावित मामलों से निपटने के लिए तैयारी की जा रही है और मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ. ए. ए. जाफरी ने बताया कि फ्लू के संभावित बढ़ते मामलों को देखते हुए अस्पताल में आवश्यक तैयारियां लगातार की जा रही हैं। मरीजों की जांच और उपचार में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए दवाइयों, जांच की सुविधाओं, चिकित्सा सामग्री, जरूरी उपकरण और अन्य आवश्यक सामान की पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है। साथ ही, मरीजों की देखभाल के लिए डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने बताया कि फ्लू जैसे लक्षणों वाले मरीजों की समय पर जांच, चिकित्सकीय सलाह और आवश्यक उपचार के लिए फ्लू क्लिनिक की व्यवस्था की जा रही है। जरूरत के अनुसार मरीजों को आगे की जांच और उपचार की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। अस्पताल प्रशासन द्वारा सभी व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा और निगरानी की जा रही है, ताकि मरीजों को समय पर उचित चिकित्सा सुविधा मिल सके। उन्होंने आमजन से अपील की कि फ्लू के लक्षण होने पर घबराने के बजाय समय पर चिकित्सकीय सलाह लें और स्वयं से दवा लेने से बचें। अस्पताल में मरीजों की सुविधा और सुरक्षित उपचार के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का लगातार प्रयास किया जा रहा है कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनुज सिंह ने बताया कि जनजागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को संक्रमण की शीघ्र पहचान, बचाव एवं समय पर उपचार के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि अधिकांश सामान्य वायरल फ्लू के मामले उचित आराम एवं देखभाल से ठीक हो जाते हैं, लेकिन यदि बुखार लगातार बना रहे, सांस लेने में कठिनाई हो या लक्षण गंभीर हों तो तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत लोगों को हाथों की स्वच्छता, खांसते–छींकते समय मुंह एवं नाक ढकने, मास्क का उचित उपयोग, भीड़भाड़ से बचने तथा लक्षण होने पर दूसरों से उचित दूरी बनाए रखने के बारे में लगातार जागरूक किया जा रहा है। चिकित्सा महाविद्यालय प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि स्वाइन फ्लू को लेकर अफवाहों पर विश्वास न करें, घबराएं नहीं, बल्कि वैज्ञानिक जानकारी और आवश्यक सावधानियों को अपनाते हुए समय पर योग्य चिकित्सक से परामर्श लें। इस अवसर पर डॉ. विनोद कुमार, डॉ. जितेंद्र कुमार,डॉ. अचल सिंह, डॉ. आदर्श यादव, डॉ. मुदित चौहान, डॉ. पूजा पाठक, डॉ. नवीन कुमार, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. अवधेश कुमार गुप्ता,पंकज कुमार, डॉ. नितेश कुमार एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में फरियादियों की समस्याएं सुनकर ए.के. शर्मा ने अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने सोमवार को अपने आवास पर जनसुनवाई कर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए लोगों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में पहुंचे फरियादियों ने विद्युत कनेक्शन, विद्युत बिल में सुधार, पेयजल, जलनिकासी सहित नगर विकास एवं ऊर्जा विभाग से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को मंत्री के समक्ष रखा।मंत्री ए.के. शर्मा ने एक–एक कर फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य केवल शिकायतों को सुनना नहीं, बल्कि उनका प्रभावी समाधान कर आमजन को राहत पहुंचाना है।

बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने वाली उर्मिला को मिलेगा राज्य अध्यापक पुरस्कार

भदोही, (संवाददाता)। शिक्षा और खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए उच्च प्राथमिक विद्यालय खेमईपुर की शिक्षिका उर्मिला देवी को राज्य अध्यापक पुरस्कार मिलेगा। सोमवार को शासन ने 2026 के राज्य अध्यापक पुरस्कार की घोषणा कर दी। उनका चयन शैक्षिक उपलब्धियों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रयासों को देखते हुए किया गया है। चयन की खबर मिलते ही शिक्षकों में खुशी की लहर दौड़ गई। भदोही के सम्हई भटानी निवासी उर्मिला देवी पिछले 27 साल से अध्यापन कार्य कर रहीं हैं। वह रोज समय से आधे घंटे पहले विद्यालय पहुंचकर पढ़ाई को रुचिकर बनाने के लिए नए–नए प्रयोग करती हैं। प्राथमिक विद्यालय असनावं में 10 फरवरी 1999 में उनकी पहली नियुक्ति हुई। उसके बाद वह प्राथमिक विद्यालय मूंसी गई। 25 जनवरी 2003 को उच्च प्राथमिक विद्यालय सनवईया और नौ जुलाई 2008 को उच्च प्राथमिक खेमईपुर में तैनात हुई। उर्मिला देवी ने सात जुलाई 2019 में सिंगापुर में मास्टर्स एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। उनके मार्गदर्शन में विद्यालय के चार बच्चे खो–खो और एक जूडो में नेशनल स्तर पर पदक जीत चुका है। जिले का यह पहला विद्यालय है जहां के इतने बच्चे नेशनल पर पहुंचकर पदक जीते। उन्होंने छात्राओं और महिलाओं को लिफाफा और जूट की चटाई बनाने का प्रशिक्षण दिया। जिससे वह आगे बेहतर कर रही हैं। उन्होंने बताया कि जब वह विद्यालय में तैनात हुईं तब यहां छात्र संख्या 200 थी जो अब बढ़कर 400 तक पहुंच चुका है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत उर्मिला ने रूबी को गोद लिया है। उसकी पढ़ाई से लेकर खेल–कूद की गतिविधि का सारा खर्च वह देखती हैं। उसने कुश्ती में नेपाल जाकर पदक जीता।

मध्यस्थता से सुलझाए जाएंगे न्यायालय में लंबित मामले

भदोही, (संवाददाता)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और सर्वोच्च न्यायालय की मीडिएशन एवं कंसीलिएशन प्रोजेक्ट कमेटी ने राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान 3.0 शुरू किया है। यह अभियान आगामी 30 दिसंबर माह तक चलेगा। इसका मुख्य उद्देश्य न्यायालयों में लंबित समझौते योग्य मामलों का मध्यस्थता के जरिये निस्तारण करना है। यह जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रभारी सचिव हरकिरन कौर ने दी। बताया कि इस अभियान से वादकारियों को त्वरित न्याय मिलेगा। साथ ही उनके धन और समय की भी बचत होगी। अभियान के तहत कई तरह के मामले शामिल किए गए हैं। इनमें वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावे और घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, वाणिज्यिक विवाद और सेवा विवाद जैसे मामल शामिल हैं। इसके साथ ही शमनीय आपराधिक, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, संपत्ति के बंटवारे और बेदखली से संबंधित मामले भी देखे जाएंगे। बताया कि अभियान में वैवाहिक विवाद के मामले शामिल किए गए हैं। दुर्घटना दावे और घरेलू हिंसा से जुड़े प्रकरण भी मध्यस्थता के लिए उपयुक्त हैं। कहा कि आम जनता इस अभियान का लाभ उठा सकती है। वे संबंधित न्यायालय में प्रार्थना–पत्र देकर अपने मामले को चिह्नित करवा सकते हैं।

तीन दिनों तक रोडवेज बसों का महिलाओं ने उठाया लाभ

प्रयागराज, (संवाददाता)। रक्षाबंधन पर महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा का लाभ खूब उठाया गया। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की मुफ्त बस सेवा महिलाओं एवं एक सहयात्री के लिए वरदान साबित हुई। 27 की सुबह छह बजे से 29 अगस्त की रात 12 बजे तक संचालित इस मुफ्त बस सेवा के जरिए यूपी रोडवेज प्रयागराज रीजन की लंबी दूरी की बसों और सिटी बसों से तकरीबन 3.54 लाख यात्रियों ने सफर कर अपने गंतव्य तक की यात्रा पूरी की।त्योहार के इन तीन दिनों के दौरान यात्रियों की सबसे भारी भीड़ प्रयागराज–अयोध्या मार्ग पर देखने को मिली, जहां अकेले रक्षाबंधन के आसपास हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं और यात्रियों ने आवागमन किया। परिवहन निगम के आंकड़ों के अनुसार लंबी दूरी की बसों में सफर करने वालों का आंकड़ा लगातार बढ़ता रहा। 27 अगस्त को 55 हजार, 28 अगस्त को 1.32 लाख और 29 अगस्त को सर्वाधिक 1.39 लाख यात्रियों ने मुफ्त यात्रा का लाभ उठाया। इन तीन दिनों में प्रयागराज रीजन के नौ डिपो की बसों से कुल 3.26 लाख महिलाओं और उनके साथ एक पुरुष सहकर्मी ने फ्री सफर किया।

डीएम ने लिया बाढ़ का जायजा, दिये निर्देश

प्रयागराज, (संवाददाता)। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सोमवार को बाढ़ के दृष्टिगत बक्शी बांध एसटीपी एवं नागवासुकी रोड पहुंचकर बढ़ते जलस्तर को देखा। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को बाढ़ के सम्बंध में सभी आवश्यक व्यवस्थायें समय से सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए साथ ही उप जिलाधिकारी सदर को बाढ़ के दृष्टिगत सभी आवश्यक व्यवस्थाओं समय से सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ का पानी धीरे धीरे बढ़ रहा है तथा खतरे के निशान से नीचे है। उन्होंने कहा कि अभी तक बाढ़ से आबादी प्रभावित नहीं हुई है। कहा कि नदी के किनारे क्षेत्रों में अलर्ट जारी किया गया है।

पीड़िता ने एसएसपी से लगाई न्याय की गुहार

गोरखपुर, (संवाददाता)। गोला थाना क्षेत्र में एक महिला की ओर से पड़ोसियों पर गंभीर उत्पीड़न, मारपीट, धमकी और अभद्र व्यवहार के आरोप लगाए जाने के मामले में पुलिस ने आठ आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने एसएसपी को तहरीर देकर बताया कि स्थानीय स्तर पर बार–बार शिकायत के बावजूद कार्रवाई न होने से वह भय के माहौल में रहने को मजबूर थी। पीड़िता किराए के मकान में रहकर छोटे बच्चों को पढ़ाती है, जबकि उसका पति रोजगार के सिलसिले में बाहर रहता है। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले कुछ लोग आए दिन अश्लील टिप्पणियां करते, देर रात दरवाजा खटखटाकर डराते और गाली–गलौज करते थे।

24 हजार रुपये रिश्वत लेते वीडीओ रंगे हाथ गिरफ्तार

गोरखपुर, (संवाददाता)। पकड़ी वीरभद्र गांव स्थित पंचायत भवन से बुधवार दोपहर में ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) जयनारायण सिंह को गोरखपुर की एंटी करप्शन टीम ने 24 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को महुआडीह थाना ले जाकर पूछताछ की जा रही है। गोरखपुर के इंदिरा नगर कॉलोनी, चंपा देवी पार्क के पीछे तारामंडल के रहने वाले जय नारायण सिंह देसही देवरिया विकास खंड में ग्राम विकास अधिकारी के पद पर तैनात हैं। उसके कार्य क्षेत्र में कई ग्रामसभाएं हैं। मुंडेरा इमिलिया गांव भी उनके कार्य क्षेत्र में आता है। जानकारी के मुताबिक, कुशीनगर के थाना कसया के परसौनी गांव के रहने वाले सतीश मणि एसके ट्रेडर्स के नाम से फर्म बनाकर ठेकेदारी करते हैं। सतीश मणि का आरोप है कि वह मुंडेरा इमिलिया गांव में हैंडपंप का रिबोर, नाली, कूड़ादान मरम्मत आदि कार्य कराए हैं। इसमें लगे खर्च का भुगतान करने के एवज में ग्राम विकास अधिकारी जय नारायण सिंह रिश्वत मांग रहे थे। बुधवार दोपहर में जय नारायण पकड़ी वीरभद्र गांव स्थित पंचायत भवन ६ ग्राम पंचायत सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में बैठकर सरकारी कार्यों को निपटा रहे थे। इस दौरान दोपहर करीब 2.35 बजे सतीश मणि जयनारायण सिंह के पास पहुंचे और रिश्वत के 24 हजार रुपये देने लेगे। इसी दौरान गोरखपुर की एंटी करप्शन टीम वहां पहुंची और सतीश मणि से 24 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए जयनारायण सिंह को रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके बाद महुआडीह थाने पर लाया गया। जहां पूछताछ की जा रही है। एसओ अमित कुमार राय ने बताया कि वीडीओ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। एंटी करप्शन टीम की उसको लेकर गोरखपुर चली गई है।

एसएसपी डा0 गौरव ग्रोवर ने कनौसा कानवेंट इण्टर कॉलेज में आयोजित संवाद एवं मार्गदर्शन सत्र में किया प्रतिभाग

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।बुधवार को एसएसपी डा0 गौरव ग्रोवर ने कनौसा कानवेंट इण्टर कॉलेज में आयोजित संवाद एवं मार्गदर्शन सत्र में प्रतिभाग किया।इस मौके पर उन्होंने छात्राओं को उच्च शिक्षा, व्यवसायिक शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता, लोक सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य हेतु मार्गदर्शन दिया। साथ ही वित्तीय एवं संचार कौशल, साइबर सुरक्षा, नशा मुक्ति, तनाव प्रबंधन और आत्मविश्वास विकास जैसे विषयों पर सकारात्मक परामर्श प्रदान किया। छात्राओं ने उच्च शिक्षा व परीक्षाओं से जुड़े प्रश्न पूछे।एसएसपी ने विस्तारपूर्वक उत्तर देकर उनका मार्गदर्शन किया।छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए एसएसपी ने बताया कि विगत एक दशक में विध्यार्थियों के समक्ष उपस्थित कैरियर परिदृश्य पूरी तरह से बदल गया है. पहले जहाँ विद्यार्थी केवल इंजीनियरिंग, मेडीकल और कानून जैसे विकल्प थे, वहीं अब विदयार्थियों के समक्ष खेल, पत्रकारिता, आर्गेनिक फार्मिंग, विमानन, उध्द्योग, एनीमेशन आदि क्षेत्रों में अनेक संभावनाएं विद्यमान हैं, विध्द्यार्थीयों के लिए आवश्यक है कि वे जिस भी क्षेत्र में

जाने की योजना बनाते हैं, उसके बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी हासिल करे विद्यार्थीयों को अपनी रुचि के विषय में विश्वसनीय स्त्रोतों से सकारात्मक एवं नकारात्मक सभी पक्षों की जानकारी हासिल करने के बाद ही अंतिम निर्णय लेना चाहिए, विद्यार्थियों को अपने कैरियर विकल्प की सफलता के लिए क्या करना चाहिए के साथ साथ क्या नहीं करना चाहिए का ज्ञान बहुत जरुरी है, विध्द्यार्थियों के यह भी समझना चाहिए कि किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए कठिन परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है, और शोर्ट कट उन्हें कभी भी सही मंजिल और स्थायित्व नहीं दे सकते, उन्होंने विद्यार्थीयो को हार्ड वर्क और स्मार्ट वर्क का संयोजन सीखने की सलाह दी, कठिन परिश्रम की आदत को विद्यार्थियों को कैरियर के साथ साथ व्यक्तिगत जीवन में भी अनिवार्य बताते हुए उन्होंने साधारण गृहणी के कार्यों के परिश्रम की ओर भी सभी का ध्यान आकर्षित किया।कार्यक्रम में जनपद के जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ पवन कुमार तिवारी,विद्यालय के प्रधानाचार्य सिस्टर लिंडा,शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सामूहिक प्रयास से विकास की बुलंदियों को छूता है शहर, जिला व प्रदेश

गोरखपुर, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को राप्तीनगर में सीएम ग्रिड (चीफ मिनिस्टर ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट) योजना के तहत स्मार्ट सड़क का निरीक्षण किया। निर्माण कार्य पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि बेहतरीन यूटिलिटी डक्ट से युक्त यह स्मार्ट सड़क नगर निगम की निश्चित आय का जरिया भी बनेगी। कहा कि सामूहिक प्रयास के अच्छे परिणाम सामने आते हैं। जब सबका सहयोग मिलता है तो महानगर, जनपद और प्रदेश विकास की बुलंदियों को छूता है। गोरखपुर में विकास इसी रूप में देखने को मिल रहा है। सीएम ग्रिड योजना के तहत राप्तीनगर में स्मार्ट सड़क का निरीक्षण करने के दौरान मुख्यमंत्री ने नगर आयुक्त से इसके सभी पहलुओं, पार्किंग, बेंच, यूटिलिटी डक्ट, ग्रीनरी, बनाने की तकनीकी आदि की विस्तार से जानकारी ली। नगर आयुक्त ने बताया कि पहले चरण में यह स्मार्ट सड़क पायलट प्रोजेक्ट के रूप में बनी है। निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत में सीएम योगी ने कहा कि स्मार्ट सड़क में स्टॉर्म वाटर मैनेजमेंट के साथ ही यूटिलिटी डक्ट भी बनाया गया है। इससे पाइपलाइन डालने के लिए बार बार सड़क की खोदाई नहीं करनी पड़ेगी। यह स्मार्ट सड़क इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यूटिलिटी डक्ट नगर निगम के लिए निश्चित आय का आधार भी बनेगा। यूटिलिटी डक्ट का उपयोग जिन संस्थाओं की ओर से अपने कार्य के लिए पाइपलाइन (बिजली, गैस) आदि डालने के लिए किया जाएगा, वे नगर निगम को इसके लिए किराया देंगी। उन्होंने कहा कि सीएम ग्रिड की स्मार्ट सड़क नगर निगम को सालाना दो करोड़ रुपये का आय कराने में सफल होगी। मुख्यमंत्री ने कहा यह स्मार्ट सड़क मॉडल रोड है। इससे नगर निकायों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

प्रयागराज में 11 मौतों के बाद हरकत में आई पुलिस, मकान में पटाखों का जखीरा बरामद, 2 गिरफ्तार

गोरखपुर, (संवाददाता)। प्रयागराज और कौशांबी जिले की सीमा पर पिपरी थाना क्षेत्र के महमूदपुर मनौरी गांव में अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए धमाके में आठ बच्चों समेत 11 लोगों की मौत के बाद गोरखपुर पुलिस अलर्ट हो गई है। सोमवार को पूरे जिले में पटाखा विक्रेताओं और भंडारण स्थलों का सत्यापन अभियान चलाया गया। इसी दौरान सिकरीगंज पुलिस ने ढखवा बाजार में लाइसेंसी पटाखा कारोबारी के आवासीय मकान से बड़ी मात्रा में पटाखे बरामद कर पिता–पुत्र को गिरफ्तार किया। एसएसपी डॉ. कौस्तुभ के मुताबिक, ढखवा बाजार निवासी दयाशंकर के नाम पटाखों के भंडारण का लाइसेंस है। सोमवार को उसके लाइसेंसी भंडारण गोदाम का निरीक्षण किया गया तो वह खाली मिला। संदेह होने पर पुलिस और राजस्व टीम ने दयाशंकर के मकान की तलाशी ली। यहां लाइसेंस के तहत भंडारित किए जाने वाले पटाखे रखे मिले। मकान आबादी वाले क्षेत्र में स्थित है और वहां पटाखों का भंडारण लाइसेंस की शर्तों के विपरीत पाया गया। जांच में सामने आया कि लाइसेंसी भंडारण गोदाम में पटाखे नहीं थे, जबकि दयाशंकर के आवासीय मकान में बड़ी मात्रा में रेडीमेड पटाखे रखे हुए थे। पुलिस ने लाइसेंस की शर्तों के उल्लंघन में बरामद सामग्री को कब्जे में ले लिया। मामले में दयाशंकर और उसके बेटे गणेशदत्त को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की जांच में सबसे अहम बात यह सामने आई कि कारोबारी के पास पटाखों के भंडारण का लाइसेंस था, लेकिन निर्धारित गोदाम के बजाय आवासीय मकान में सामग्री रखी गई थी। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि पटाखों को गोदाम से मकान तक कब और किस उद्देश्य से लाया गया था और वहां कितनी अवधि से इनका भंडारण किया जा रहा था। प्रयागराज की घटना के बाद पुलिस ने जिलेभर में पटाखा दुकानदारों और कारोबारियों का व्यापक सत्यापन अभियान चलाया। पुलिस टीमों ने प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर लाइसेंस, पहचान और अन्य जरूरी दस्तावेजों की जांच की। साथ ही यह देखा गया कि पटाखों का भंडारण और बिक्री निर्धारित नियमों व सुरक्षा मानकों के अनुसार हो रही है या नहीं। दुकानदारों को बिना वैध अनुमति या लाइसेंस पटाखे नहीं बेचने और निर्धारित मात्रा से अधिक पटाखों का भंडारण नहीं करने की हिदायत दी गई।

डीएम ने मोबाइल लाइब्रेरी वैन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अयोध्या।समग्र शिक्षा एवं रूम टू रीड संस्था के द्वारा बच्चों में पढ़ने की रुचि एवं पठन संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'मेरे शब्द, मेरी कहानीश थीम पर रीडिंग कैंपेन का आयोजन 15 अगस्त से 8 सितंबर 2026 तक किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य पढ़ने को केवल शब्दों के उच्चारण एवं प्रवाह तक सीमित न रखते हुए बच्चों को पढ़ी गई सामग्री को समझने, उस पर विचार करने,प्रश्न पूछने तथा अपने विचार और अनुभव व्यक्त करने के अवसर प्रदान करना है।इसअभियान के तहत बुधवार को मोबाइल लाइब्रेरी वैन का शुभारंभ डीएम शशांक त्रिपाठी, एसडीएम व बीएसए लाल चन्द्र द्वारा किया गया।इसके पश्चात ब्लॉक स्तर के विद्यालयों एवं समुदाय में बच्चों को पुस्तकों से जोड़ने और नियमित पठन की आदत विकसित करने के लिए विभिन्न पठन गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को कहानी पढ़ने, उस पर चर्चा करने, प्रश्न पूछने तथा अपनी प्रतिक्रिया और

विचार व्यक्त करने के अवसर दिए जाएंगे। 8 सितंबर को जिले में 'रीड–ए–थॉन' का आयोजन किया जाएगा।इस दौरान बच्चे सामूहिक रूप से पठन, चिंतन एवं अभिव्यक्ति की गतिविधियों में प्रतिभाग करेंगे। अभियान में बच्चों के साथ–साथ शिक्षक, अभिभावक एवं समुदाय के सदस्यों की सहभागिता को भी प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि विद्यालयों के साथ–साथ समुदाय में भी पठन के लिए अनुकूल वातावरण विकसित हो सके। रीडिंग कैंपेन के माध्यम से बच्चों को उनकी परिचित भाषा एवं अनुभवों से जुड़ी पुस्तकों और कहानियों के साथ सीखने का अवसर देते हुए उन्हें पढ़ने, समझने, सोचने, प्रश्न करने और अपनी बात व्यक्त करने वाला सक्रिय एवं आत्मविश्वासी पाठक बनाने पर जोर दिया जाएगा। यह पहल बच्चों में समझ, कल्पना एवं अभिव्यक्ति को मजबूत करने के साथ–साथ विद्यालय और समुदाय में सतत एवं आनंददायक पठन संस्कृति विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।इस अवसर पर सभी बीईओ, धीरेंद्र मिश्रा, सौरभ सिंह परिहार, मोनिका सिंह एवं नवीन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर माध्यमिक शिक्षक संघ ने शिक्षा भवन पर दिया धरना

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ जनपद अयोध्या के जिला अध्यक्ष राकेश पांडेय शिक्षक नेताओं के साथ बुधवार को शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर धरने पर बैठे गए। जिला विद्यालय निरीक्षक तथा वित्त एवं लेखाधिकारी को संगठन द्वारा बार–बार मांग पत्र दिए जाने के बावजूद उनका निदान नहीं किए जाने के विरोध में जिला अध्यक्ष राकेश पांडेय शिक्षकों के साथ जिला विद्यालय निरीक्षक एवं लेखाधिकारी कक्ष के बाहर धरने पर बैठ गए।और अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाने लगे।जिला अध्यक्ष राकेश पांडेय के धरने पर अचानक धरने पर बैठते ही शिक्षक धीरे धीरे शिक्षा भवन पहुंचने लगे।धरने की सूचना मिलते ही जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर पवन तिवारी तथा वित्त एवं लेखा अधिकारी अनुपम कुमार भी मौके पर

पहुंच गए। दोनों अधिकारियों द्वारा संगठन की विभिन्न समस्याओं को सुनकर शिक्षक नेताओं को लिखित रूप से आश्वासन दिया कि शीघ्र ही सभी शिक्षक समस्याओं का निदान कर दिया जाएगा।जिसके बाद जिला अध्यक्ष राकेश पांडेय के नेतृत्व में धरने पर बैठे शिक्षक नेताओं ने अपना धरना समाप्त किया। धरने में प्रधानाचार्य परिषद जनपद अयोध्या जिला अध्यक्ष संजीव चतुर्वेदी, जिला मंत्री आलोक तिवारी, मंडल अध्यक्ष सरोज द्विवेदी,महानगर अध्यक्ष अनूप पांडेय, जिला कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार तिवारी, देवेश पांडेय , शिव शंकर शुक्ला, सुनील दुबे,अमित तिवारी, विनोद मिश्रा, सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

लालबाग में जलभराव से नगर निगम की लापरवाही पर मोहल्ले वासी

अयोध्या।शहर के लालबाग मोहल्ले में नगर निगम द्वारा बनाए जा रहे नाले को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है।मोहल्लेवासियों का आरोप है कि नाला सड़क से ऊंचा बना दिए जाने के कारण बारिश और नाली का पानी बाहर निकलने के बजाय गलियों में ही जमा हो रहा है।ट्रांसपोर्टर अरुण मिश्रा के घर के सामने वाली गली में नाली का पानी जमा होने से जबरदस्त जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिससे लोगों का आवागमन मुश्किल हो गया है।स्थानीय निवासी देश दीपांकर श्रीवास्तव ने बताया कि पहले मोहल्ले में इस तरह नाली का पानी नहीं भरता था, लेकिन नाले के निर्माण में गड़बड़ी के चलते अब सड़कों पर पानी बह रहा है।मामले की जानकारी मिलने पर नगर निगम की टीम

लालबाग पहुंची और मौके का निरीक्षण किया।स्थानीय लोगों के अनुसार, टीम ने समस्या को स्वीकार करते हुए दो दिन के अंदर जलभराव की समस्या का निस्तारण कराने का आश्वासन दिया है।

मोहल्लेवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द नाले के निर्माण को ठीक नहीं कराया गया तो वे जिलाधिकारी से मुलाकात कर नगर निगम की खामियों की शिकायत करेंगे।इस दौरान देश दीपांकर श्रीवास्तव, अश्वनी तिवारी 'लालू', ट्रांसपोर्टर अरुण मिश्रा, गायक संदीप आचार्य, राकेश जायसवाल सहित तमाम मोहल्लेवासी मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं को किया जागरूक

ब्यूरो चीफ . आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत बुधवार को बल्दीराय थाना क्षेत्र के श्री शंकराचार्य इंटर कॉलेज बल्दीराय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव और विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर जागरूक किया। थाना प्रभारी बल्दीराय महेंद्र प्रताप सिंह ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या परेशानी को नजरअंदाज न करें। छात्राएं बिना किसी डर के पुलिस को इसकी सूचना दें। उन्होंने बताया कि 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड

हेल्पलाइन, 1090 महिला हेल्पलाइन और 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन सहित विभिन्न सेवाओं का जरूरत पड़ने पर लाभ लिया जा सकता है। इस दौरान पुलिस की ओर से छात्राओं को गुप्त शिकायत पर्चा भी वितरित किया गया। पुलिस ने बताया कि यदि किसी छात्रा को रास्ते में किसी मोड़, चौराहे, बाजार अथवा अन्य स्थान पर कोई व्यक्ति छेड़छाड़ करता है या किसी तरह परेशान करता है तो वह पर्चे में घटना से संबंधित पूरी जानकारी लिखकर पुलिस को सौंप सकती है। शिकायतकर्ता को पर्चे पर अपना नाम लिखने की आवश्यकता नहीं है। पुलिस ने छात्राओं को भरोसा दिलाया कि शिकायत से संबंधित जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और शिकायत के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक इस्तेमाल करने, अनजान लोगों से ऑनलाइन बातचीत में सतर्क रहने तथा साइबर ठगी से बचने के उपाय भी बताए। छात्राओं से कहा गया कि किसी भी आपत्तिजनक घटना की जानकारी अपने अभिभावकों, शिक्षकों अथवा पुलिस को तत्काल दें। कार्यक्रम में छात्राओं ने महिला सुरक्षा से जुड़े सवाल भी पूछे, जिनका पुलिस अधिकारियों ने जवाब दिया। इस मौके पर अध्यापक जुगुल किशोर तराई, उपनिरीक्षक राजदेव सहित विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।